सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 88, नई दिल्ली, बुधवार, 25 जनवरी 2023, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 रिपब्लिक डे परेड से पहले दिल्ली में बढ़ी सिक्योरिटी
05 सात लाख के अंदर मिलती हैं ये शानदार गाड़ियां
08 कंगाल पाकिस्तान से दोस्ती निभाएगा चीन या कर्जा लेगा वापस?

आज का सुविचार

हर दिन अच्छा हो ये जरुरी नही होता. पर हर दिन कुछ ना कुछ अच्छा जरुर होता है.

दिल्ली के धौला कुआं से जयपुर सिर्फ 4 घंटे में! फरवरी में खुल रहा एक्सप्रेस-वे

नैशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पहले चरण को फिनिशिंग टच देना शुरू किया है।

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली से जयपुर की तरफ जाना है तो तैयार हो जाएं। बस कुछ दिनों बाद आप सिर्फ चार घंटे में धौला कुआं से सेंट्रल जयपुर पहुंच पाएंगे। सोहना से दौसा के बीच 180 किलोमीटर लंबे स्ट्रेच के उद्घाटन की तारीख तय की जा रही है। इस बीच नैशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पहले चरण को फिनिशिंग टच देना शुरू किया है। 1,386 किलोमीटर लंबा नया एक्सप्रेसवे का जो 247KM स्ट्रेच पूरा हो चुका है, वह राजस्थान में बोनली तक जाता है। जयपुर जाने वालों को 180KM पर एग्जिट लेना पड़ेगा जो उन्हें दौसा में आगरा-जयपुर हाइवे से जोड़ेगा। मार्च तक, सवाई माधोपुर तक एक्सप्रेसवे का कंस्ट्रक्शन पूरा हो जाएगा। उसके बाद वहां से रणथंभौर और टोंक के लिए एग्जिट ले सकेंगे। पढ़ें, किस तरह अगले महीने से दिल्ली से जयपुर तक का सफर बदलने वाला है।

अगले महीने से दिल्ली टू जयपुर बस 4 घंटे में

हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया की टीम ने रविवार को सोहना से दौसा के बीच नई सड़क पर टेस्ट ड्राइव की। 11,000 करोड़ रुपये की लागत से बने एक्सप्रेसवे की दूरी तय करने में 90 मिनट से थोड़े ज्यादा लगे। बीच-बीच में अधिकतम 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गाड़ी चली। ट्रैफिक खुलने पर आप भले ही मैक्सिमम स्पीड तक न पहुंच पाएं, सोहना-दौसा की दूरी दो घंटे से कम में पूरा करना आसान हो जाएगा। इन दो शहरों में घुसना और बाहर निकलना चुनौती साबित हो सकता है। उदाहरण के लिए, दिल्ली के धौला कुआं से लेकर सोहना में एलिवेटेड रोड पर चढ़ने तक में आपको घंटा भर लग सकता है। रविवार को गूगल मैप्स बता रहा था कि दौसा के एग्जिट से सेंट्रल जयपुर तक पहुंचने में 75-80 मिनट और लगते। यानी दिल्ली से जयपुर पहुंचने में करीब 4 घंटे का वक्त लग जाता। गूगल मैप के अनुसार, अभी NH-48 के जरिए दिल्ली से जयपुर जाने में लगभग 5 घंटे लगते हैं।

60 किलोमीटर लंबे एक और दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (DND) फ्लाइवे के बन जाने से वक्त और कम लगेगा। दिल्ली-सोहना के बीच लगने वाला वक्त घटेगा। एक्सप्रेसवे से जयपुर तक डायरेक्ट

कनेक्टिविटी के लिए NHAI 70 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड लिंक बना रहा है। दोनों छोर पर ये दो रोड्स 2024 के अंत तक बन जाने की उम्मीद है। यानी तब तक आपको नई सड़क से गुजरने पर भी सिटी ट्रैफिक से जूझना पड़ेगा।

एक बार आप हाइवे पर पहुंच गए, फिर मजे हैं। कुछ जगह थोड़ा उतार-चढ़ाव है जिसे NHAI अगले कुछ दिन में ठीक कर लेगा। अधिकारियों के अनुसार, वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को नैशनल एक्सप्रेसवे 4 से जोड़ने वाला लिंक भी अगले हफ्ते तक तैयार हो जाएगा।

एक्सप्रेसवे पर मोटल से लेकर हॉस्पिटल तक... सब मिलेगा

सोहना-दौसा एक्सप्रेसवे पर भरपूर वेसाइड सुविधाएं मिलेंगी। खाने-पीने की जगहों से लेकर, बच्चों के लिए प्ले एरिया, मोटल्स के लिए जगह, लॉरी ड्राइवर्स के लिए रेस्ट एरिया, बैंक्वेट हॉल्स, फ्यूल स्टेशंस, यहां तक कि ऑपरेशन थियेटर्स और ICU बेड्स से लैस अस्पताल भी तैयार हैं। ट्रैफिक स्टार्ट होने के साथ ही ये सब शुरू हो जाएंगे। ज्यादातर सुविधाएं इंडियन ऑयल, द फ्यूल रिटेलर जैसी एजेंसियों के जिम्मे हैं। जहां तक प्रस्तावित अस्पतालों और ट्रॉमा सेंटर्स की बात है, प्राइवेट प्लेयर्स को लाने में वक्त लग सकता है। एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा स्ट्रेच पर एक्सीडेंट विक्टिम्स को रेस्क्यू करने के लिए सात हेलीपैड भी बनाए गए हैं। एक्सप्रेसवे जिस तरह से बना है, हर 30-35 किलोमीटर पर वेसाइड सुविधाएं मिलेंगी। कुछ 35 हेक्टेयर तक के एरिया में फैली हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दोपहिया, ट्रैक्टर्स नहीं चलेंगे

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर टू-वीलर्स, थ्री-वीलर्स और ट्रैक्टर्स नहीं जा सकेंगे। हर एंट्री पॉइंट पर इन्हें रोकने के लिए मार्शल्स तैनात होंगे। चूंकि एक्सप्रेसवे एक्सेस-कंट्रोल्ड है, ऐसे में गाड़ियां केवल तय जगहों से ही एंटर कर पाएंगी।

सोहना-दौसा हाई स्पीड रोड पर टोल कितना लगेगा?

अभी लोगों को सोहना-दौसा एक्सप्रेसवे पर चलने की प्रीमियम कीमत चुकानी होगी। टोल की जानकारी पब्लिक नहीं की गई है। संभावना है कि मोटर वीइकल्स से 2 रुपये प्रति किलोमीटर और ट्रक जैसे हेवी वीइकल्स से 7 रुपये प्रति किलोमीटर तक टोल वसूला जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि टोल की दरें यात्रियों को अखरेगी नहीं। हेवी वीइकल मालिक कम समय में लंबी दूरी तय करेंगे और ईंधन भी बचाएंगे, ऐसे में उन्हें भी फायदा है।

पूरे स्ट्रेच पर CCTV से रखी जाएगी नजर

सोहना-दौसा स्ट्रेच को दिसंबर 2021 तक पूरा होना था मगर कोविड-19 के चलते देरी हुई। NHAI ने पूरे स्ट्रेच पर करीब डेढ़ लाख पौधे लगाए हैं। पूरे स्ट्रेच पर सीसीटीवी सर्विलांस है जिसके जरिए ट्रैफिक उल्लंघन से लेकर किसी तरह के हादसे व क्राइम पर नजर रखी जा सकेगी। हर 50 किलोमीटर पर NHAI स्पीड गन भी लगा रहा है। हर 20 किलोमीटर पर ड्राइवर्स को अलर्ट करने के लिए स्पीड डिटेक्शन बोर्ड होंगे। सूत्रों के अनुसार, कंट्रोल रूम से विजुअल प्रूफ के साथ जुर्माना कटेगा और लोकल पुलिस के पास चालान काटने को भेजा जाएगा।

इनसाइड

10 साल पुराने विक्रमों के संचालकों को अंतिम नोटिस जारी

देहरादून। आरटीओ (प्रशासन) सुनील कुमार शर्मा ने चेतावनी दी है कि 31 मार्च के बाद किसी भी डीजल संचालित विक्रम को राजधानी में संचालन की अनुमति नहीं होगी। बता दें कि डीजल संचालित सभी विक्रमों को चरणबद्धतरीके से बाहर किया जाना है। राजधानी की सड़कों पर फर्राटा भर रहे 10 साल पुराने डीजल से चलने वाले विक्रमों के संचालकों को परिवहन विभाग ने अंतिम नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा है कि यदि 31 जनवरी तक विक्रम संचालक सीएनजी, पेट्रोल, बीएस-6 और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवेदन नहीं करते हैं तो उनकी जगह नए वाहन संचालकों को परमिट जारी कर दिए जाएंगे। आरटीओ (प्रशासन) सुनील कुमार शर्मा ने चेतावनी दी है कि 31 मार्च के बाद किसी भी डीजल संचालित विक्रम को राजधानी में संचालन की अनुमति नहीं होगी। बता दें कि डीजल संचालित सभी विक्रमों को चरणबद्धतरीके से बाहर किया जाना है। संभागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक में विक्रम संचालकों इस बात की मोहलत दी गई है कि पहले उन तमाम विक्रम संचालकों को प्राथमिकता के आधार पर परमिट जारी किए जाएंगे जो वर्तमान में वाहनों का संचालन कर रहे हैं।

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन अपने प्रतिनिधि मण्डल के साथ स्पेशल कमिश्नर ट्रांसपोर्ट से मिला

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने अपने प्रतिनिधि मण्डल के साथ मिलकर श्री वीरेन्दर कुमार, स्पेशल कमिश्नर ट्रांसपोर्ट को अपनी समस्याओ से अवगत कराया और उन्हें अपनी मांगो का ज्ञापन भी सौपा.

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने पैनिक बटन की अनिवार्यता हटाने की मांग कमिश्नर साहब से की और कहा जब तक पेनिक बटन के लिए कोई कॉल सेंटर नहीं खुल जाता तब तक पेनिक बटन की फीस लेना बंद की जाए.

संजय सम्राट ने प्राइवेट वेंडर और कार के अथॉराइजेड वर्क शॉप और शो रूम द्वारा 2500 रुपए स्पीड गवर्नर को चेक करने के बहाने लिए जाने की शिकायत भी करी, जबकि दिल्ली परिवहन विभाग के आदेश के अनूसार ये 500 रुपए से ज्यादा पैसे नहीं ले सकतें.

सीनियर ट्रांसपोर्टर श्री गुरमीत सिंह तनेजा जी ने कमिश्नर साहब को ड्राइवर ट्रेनिंग के नाम पर ड्राइवर्स और ट्रांसपोर्टर को मानस संस्था द्वारा तंग करें जाने के मुद्दे को भी उठाया. उन्होंने कमिश्नर साहब को बताया की ये मानस संस्था ड्राइवर को ट्रेनिंग 10 से 4 बजे के बीच देते है और वो भी वर्किंग दिनों मैं. अब ट्रांसपोर्टर ड्राइवर को ड्यूटी भेजे या उनको ट्रेनिंग दिलवाये ? उन्होंने कहा की जब ड्राइवर कमर्शयल ड्राइविंग बेज बनवाते है तो उन्हें ड्राइवर ट्रेनिंग दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा दी जाती है. फिर दोबारा ड्राइविंग ट्रेनिंग एक तरह से ड्राइवर और ट्रांसपोर्टर्स को तंग करने के लिए ऐसा किया जा रहा है. CMVR मोटर व्हीकल एक्ट 1988 मैं ड्राइवर ट्रेनिंग का कोई रूल नहीं है. ये फैसला दिल्ली परिवहन विभाग जबरदस्ती ड्राइवर और ट्रांसपोर्टर्स पर थोपा जा रहा है.

संजय सम्राट ने कमिश्नर साहब को बताया की इंडिया गैस लिमिटेड IGL कम्पनी मानस संस्था को ड्राइवर ट्रेनिंग कराने के पैसे भी देती है? ऐसा हमारे संज्ञान मैं भी आया है.

संजय सम्राट ने कहा दिल्ली परिवहन विभाग को ड्राइवर ट्रेनिंग का जिम्मा ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन को देना चाहिए क्योंकि हम इस फिल्ड मैं हमें 30 सालो से ज्यादा का अनुभव है और ट्रांसपोर्ट्स एसोसिएशन अच्छी तरह से ड्राइवर्स को ट्रेनिंग देने मैं सक्षम है.

श्री वीरेन्दर सिंह जी(स्पेशल कमिश्नर ट्रांसपोर्ट)ने हमें अस्वासन दिया है की वो पेनिक बटन और स्पीड गवर्नर के मामले की जांच करवाएंगे.

साथ ही ड्राइवर ट्रेनिंग के मामले को भी गंभीरता से लेकर ड्राइवर्स की ट्रेनिंग ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन द्वारा कराने पर भी विचार करेंगे.

संजय सम्राट, अध्यक्ष
दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन. 9810182147
9717906644

ऑटो में करीब 20 फीसदी, टैक्सी किराये में 40 फीसदी का इजाफा

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। नए साल में दिल्ली में ऑटो-टैक्सी से सफर महंगा हो गया है। दिल्ली सरकार ने ऑटो-टैक्सी के किराए में बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। ऑटो किराये में करीब 20 फीसदी, जबकि टैक्सी में करीब 40 फीसदी की बढ़ोतरी का असर लाखों यात्रियों की जेब पर पड़ेगा। दिल्ली सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। अब ऑटो में 1.5 किमी के न्यूनतम 41 रुपये, जबकि टैक्सी में एक किमी के सफर के लिए 57 रुपये चुकाने होंगे। ऑटो-टैक्सी के लिए रात्रि शुल्क 25 फीसदी ही रखा गया है जबकि वेटिंग चार्ज में भी संशोधन किया गया है।

दिल्ली में ऑटो का शुरुआती किराया (मीटर डाउन) 25 रुपये से बढ़कर 30 रुपये कर दिया गया है। टैक्सी के लिए शुरुआती एक किलोमीटर के लिए न्यूनतम किराया 25 के बजाय 40 रुपये कर दिया गया। ऑटो के प्रति किलोमीटर किराया भी 9.5 रुपये से बढ़ाकर 11 रुपये यात्रियों को भुगतान करना होगा। नॉन एसी टैक्सी में सफर करने के लिए दूसरे किलोमीटर से (प्रति किमी) 14 रुपये के बजाय 17 रुपये कर दिया गया है। एसी टैक्सी के लिए किराया 16 रुपये से बढ़ाकर प्रति किमी 20 रुपये कर दिया गया है।

कमेटी ने की थी सिफारिश

ऑटो किराये में 2020 में इससे पहले संशोधन हुआ था। इनमें काली-पीली के साथ इकोनॉमी और प्रीमियम टैक्सी में 2013 में बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को ऑटो, टैक्सी यूनियनों की तरफ से सीएनजी की कीमत में बढ़ोतरी के बाद किराये में बढ़ोतरी की मांग की जा रही थी। इससे दिल्ली के लाखों ऑटो-टैक्सी चालकों को राहत मिलेगी। सरकार ने किराये में बढ़ोतरी के लिए 2022 में 13 सदस्यों की एक कमेटी गठित की। कमेटी ने काली-पीली और इकोनॉमी टैक्सी के किराये में संशोधन की सिफारिश की थी। इसकी समीक्षा के बाद केजरीवाल सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

ऑटो किराया

मीटर डाउन (शुरुआती 1.5 किमी के लिए) : 25 से बढ़कर 30 रुपये

इसके बाद प्रति किलोमीटर 9.50 से बढ़कर 11 रुपये

रात 11 से सुबह 5 बजे तक : किराये का 25 फीसदी अतिरिक्त

सामान प्रभार-10 रुपये प्रति

प्रतीक्षा शुल्क-75 पैसे प्रति मिनट (10 मिनट में एक किलोमीटर से कम दूरी तय करने पर)

टैक्सी (काली-पीली) : एक किलोमीटर के लिए 25 से बढ़कर 40 रुपये

प्रति किलोमीटर (नॉन एसी) : 14 रुपये के बजाय 17 रुपये

एसी टैक्सी : 16 रुपये से बढ़कर 20 रुपये

रात्रि प्रभार : किराये का 25 प्रतिशत

प्रतीक्षा प्रभा र: एक रुपये प्रति मिनट, ट्रैफिक में फंसे या बेहद धीमी गति रफ्तार होने पर प्रत्येक मिनट के लिए (10 मिनट में एक किमी से कम दूरी)

सामान : 10 रुपये बढ़कर 15 रुपये प्रति नग

रोडवेज बस के ब्रेक हुए फेल

दिल्ली। नई दिल्ली से देहरादून आ रही यूपी परिवहन निगम की बस का ब्रेक फेल हो गया। इससे यात्रियों की चीख-पुकार मच गई। हालांकि, चालक ने सूझबूझ का परिचय दिया और बस को बचाते हुए आगे ले गए। इससे बस खुद ही रुक गई। घटनाक्रम के मुताबिक यूपी परिवहन निगम की बस संख्या यूपी- 81 बीटी 7271 बुधवार को नई दिल्ली से देहरादून आ रही थी। बस में 30 के करीब सवारियां थीं, जिसमें ज्यादातर देहरादून के यात्री शामिल थे। जैसे ही बस मुजफ्फरनगर में राणा चौक के पास पहुंची अचानक ब्रेक का प्रेशर पाइप फट गया और बस का ब्रेक फेल हो गया। चालक अजय शर्मा ने किसी तरह बस को दूसरे वाहनों से बचाते हुए सुरक्षित आगे बढ़ाया, जिससे बस धीरे-धीरे खुद ही रुक गई। इसके बाद यूपी परिवहन निगम की दूसरी बस से यात्रियों को देहरादून पहुंचाया गया। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब परिवहन निगम की गाड़ियों का ब्रेक फेल हुआ हो। पिछले दिनों देहरादून से ऋषिकेश आ रही उत्तराखंड परिवहन निगम की बस के भी ब्रेक फेल हो गए थे।

-चालान काटने की कार्रवाई करते हुए लगाया 3.58 करोड़ रुपये का जुर्माना

एक साल में बिना सीट बेल्ट के पकड़े गए 36 हजार वाहन चालक

एनटीवी ब्यूरो

नोएडा। एक साल में बिना सीट बेल्ट के 36 हजार वाहन चालकों के चालान काटे गए। उनपर तकरीबन 3.58 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है शहर में ट्रैफिक नियमों की किस कदर अनदेखी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि सड़क हादसों को रोकने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही जांच कर नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। वहीं स्कूल व कॉलेजों में गोष्ठी आयोजित की गई। विद्यार्थियों को ट्रैफिक के नियम बताए गए। आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाया गया।

जागरूकता अभियान चलाकर, चालान काटना भूले

चार दिसंबर के बाद सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्रालय ने नियम को सख्त करते हुए चार पहिया वाहनों में पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए भी बेल्ट पहनना अनिवार्य कर दिया गया। इसे लेकर करीब एक सप्ताह तक नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने दिल्ली नोएडा-बॉर्डर से लेकर यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर टोल प्लाजा और शहर के अंदरूनी हिस्सों में जागरूकता अभियान चलाया गया, लेकिन चालान काटना भूल गई। आज तक पिछली सीट पर बैठे एक भी व्यक्ति का चालान काटने का रिकॉर्ड नोएडा ट्रैफिक पुलिस के पास नहीं हैं।

84 स्थानों पर लगे हैं कैमरे:

ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने शहर में 84 स्थानों पर आधुनिक लेंस वाले सीसीटीवी कैमरे भी लगाए हैं। जिसकी मदद से शहर में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों पर नजर रखी जा रही है। इन कैमरों की मदद से रोज सैकड़ों चालान काटे जा रहे हैं, इसके बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। हर माह नियम तोड़ने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सड़क सुरक्षा व ट्रैफिक जागरूकता के लिए कई तरीके अपनाए जा रहे हैं। इंटेलिजेंस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), पब्लिक अलॉउंस सिस्टम, स्कूल-कॉलेजों, कंपनियों आदि स्थानों पर जाकर ट्रैफिक नियमों का पाठ पढ़ाया जा रहा है। हेलमेट, सीट बेल्ट का प्रयोग करने के लिए लोगों को प्रेरित जा रहा है। - आशुतोष सिंह, ट्रैफिक इंस्पेक्टर नोएडा।

बिना सीट बेल्ट के माहवार चालान:

जनवरी- 1733
फरवरी- 1865
मार्च- 2196
अप्रैल- 3259
मई- 2543
जून-4060
जुलाई-4923
अगस्त- 3069
सितंबर-4725
अक्तूबर- 3079
नवंबर- 2817
दिसंबर- 1570

कुल: 35839 चालान।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

अपनाएं ये बॉडी पॉजिटिविटी टिप्स, खुद से हो जाएगा प्यार

18-30 की उम्र के बीच की 70% महिलाएं अपने शरीर को नापसंद करती हैं और 45% पुरुष भी अपने शरीर से असंतुष्ट हैं. ऐसे में बॉडी पॉजिटिविटी को बढ़ावा देने के लिए सेल्फ लव बहुत जरूरी है.

शारीरिक बनावट के अलावा अन्य चीजों के बारे में सोचने में अधिक समय बिताएं.

क्या आपने हाल ही में रिलीज़ हुआ 'डबल एक्सेल' का ट्रेलर देखा है? अगर नहीं तो आपको बता दें कि हाल ही में बॉलीवुड मूवी डबल XL का ट्रेलर रिलीज हुआ है. इसमें सोनाक्षी सिन्हा और हुमा कुरैशी बॉडी शेमिंग करने वालों को करारा जवाब देती नजर आ रही हैं. इसके ट्रेलर में भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन भी दिखाई दे रहे हैं. फिल्म में एक ऐसे मुद्दे को उठाया गया है जिससे कई लोग वाबस्ता हैं. हालांकि, आज के दौर में बहुत लोगों ने बॉडी पॉजिटिविटी की ओर कदम बढ़ाया है लेकिन आज भी कई लोग, खासकर महिलाएं अपनी बनावट और बॉडी के कारण परेशान रहती हैं. किसी को दुबला तो किसी को मोटा कह कर चिढ़ाया जाता है, जो कि गलत है. जरूरी नहीं कि हर किसी के लिए हेल्दी बॉडी होने का मतलब भी एक जैसा हो.

रोग मुक्त होने के लिए एक ही तरह की बॉडी आइडियल नहीं होती. हो सकता है एक इंसान की नजर में जो शख्स अस्वस्थ हो, वो असल में हेल्दी ही हो. सबका आकार अलग है और इसमें कुछ गलत नहीं है. आपको बता दें कि वेलबींगट्रस्ट डॉट ओआरजी के अनुसार 18-30 की उम्र के बीच की 70% महिलाएं अपने शरीर को नापसंद करती हैं और 45% पुरुष भी अपने शरीर से असंतुष्ट हैं. अगर आप भी अपने शरीर को लेकर सहज महसूस नहीं करती हैं तो आज हम आपको कुछ बॉडी पॉजिटिविटी टिप्स बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप भी अपने शरीर को आपका हर रोज साथ देने के लिए धन्यवाद कहने लगेंगी, जो कि जरूरी भी है.

अपनाएं ये बॉडी पॉजिटिविटी टिप्स

पॉजिटिव अफर्मेशन्स बोलें

बॉडी पॉजिटिविटी को बढ़ावा देने के लिए सेल्फ लव बहुत जरूरी है. इसका अभ्यास करने के सबसे बुनियादी और प्रभावी तरीकों में से एक यह है कि हम पॉजिटिव अफर्मेशन्स को ज़ोर से बोलें, खासकर जब हम अपने शरीर के बारे में अच्छा महसूस न कर पा रही हों. खुद से कहें- 'मैं काफी हूं', 'मैं सुंदर हूं', 'मैं किसी से कम नहीं हूं', 'मैं हर हाल में और हर तरह से खूबसूरत हूं'.

उन चीजों पर ध्यान दें जो आपको अपने बारे में हैं पसंद

हर बार जब आपके दिमाग में आपके शरीर के बारे में कोई नकारात्मक विचार आता है तो उसका मुकाबला कुछ सकारात्मक सोचकर करें. उन चीजों की लिस्ट बनाने की कोशिश करें जो आपको अपने शरीर के बारे में पसंद हैं.

दूसरों से अपनी तुलना करना बंद करें

लोगों की शेप अलग-अलग होती है. एक इंसान एक तरह से खूबसूरत होता है तो दूसरा इंसान किसी और तरह से अच्छा लग सकता है. दूसरों से अपनी तुलना करने से आपको ऐसा महसूस हो सकता है कि आप वैसे नहीं दिखते जैसे आपको दिखना चाहिए लेकिन आपको किसी और की तरह नहीं दिखना है क्योंकि सब एक जैसे दिखाई देंगे तो यह बहुत बोरिंग लग सकता है.

नेगेटिव सेल्फ टॉक से बचें

अपने शरीर के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा आप किसी मित्र के साथ करते हैं. अगर आप अपने शरीर के बारे में जो कुछ भी कहते हैं वैसा कुछ आप अपने किसी दोस्त के बारे में या उसके शरीर के बारे में नहीं कह सकते क्योंकि ये गलत होगा तो ऐसा अपने साथ भी मत कीजिए. नेगेटिव सेल्फ टॉक ही हमें शरीर के लिए नकारात्मक सोचने पर मजबूर करती है.

लगा चुकी हैं जिंदगी का अर्धशतक तो ऐसे जिएं लाइफ...

तनाव के कारण कई तरह की शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं. बात अगर 50 से अधिक उम्र की महिलाओं की हो तो उनमें क्रोनिक स्ट्रेस के प्रभाव जटिल होते हैं. इसलिए ऐसे में बेहतर रखरखाव और एक स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत होती है. इसके लिए खुद को तनाव से दूर रखना जरूरी है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव किसी को भी, किसी भी कारण से हो सकता है. कामकाज, घर-परिवार की जिम्मेदारियां और निजी समस्याओं समेत कई वजहें टेंशन का कारण बन सकती हैं. स्ट्रेस लेने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है लेकिन सिर्फ ये कह देने से कि तनाव लेना अच्छी बात नहीं है, इससे समस्या का हल नहीं निकलता. बात अगर महिलाओं की करें तो उम्र के हर पड़ाव पर तरह-तरह की दिक्कतों को झेलने की वजह से तनाव महसूस करना आम है लेकिन ये जरूरी नहीं कि स्ट्रेस को खुद पर हावी होने दिया जाए. इसलिए डी-स्ट्रेस (Destress) होना बहुत जरूरी है.

अगर आपकी उम्र 50 पार हो चुकी है तो आज वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर हम आपको डीस्ट्रेसिंग के कुछ आसान तरीके बताएंगे, जिन्हें अपना कर आप अच्छा महसूस कर सकती हैं और बढ़ती उम्र में चिंतामुक्त हो कर खुल कर जी सकती हैं. दरअसल, वेबएमडी के मुताबिक तनाव के कारण कई तरह की शारीरिक समस्याएं होती हैं, जैसे सिरदर्द, पेट खराब होना, उच्च रक्तचाप, सीने में दर्द और नींद की समस्या आदि. वहीं 50 से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए, क्रोनिक स्ट्रेस के प्रभाव जटिल होते हैं. इसलिए ऐसे में बेहतर रखरखाव और एक स्वस्थ जीवन शैली की जरूरत है. इसके लिए खुद को तनाव से दूर रखना बहुत जरूरी है.

महिलाएं ऐसे कम करें तनाव

नियमित रूप से व्यायाम करें

व्यायाम तनाव को कम करता है, मूड में सुधार करता है. इससे नींद भी अच्छे से आती है.

एक सपोर्ट सिस्टम बनाएं

कुछ लोगों को धार्मिक समुदाय का हिस्सा बनने से तनाव कम करने में मदद मिलती है, किसी का स्विमिंग क्लब या अन्य किसी ग्रुप का हिस्सा बनने से स्ट्रेस कम होता है. ऐसे सर्कल्स से जुड़ें.

सकारात्मक दृष्टिकोण रखें

आभार सूची बनाएं. नकारात्मक पर ध्यान न दें. स्वीकार करें कि ऐसी चीजें भी हैं जिन्हें आप नियंत्रित नहीं कर सकते और इसमें कुछ गलत नहीं है.

आक्रामक न हों, आराम करें

गुस्सा होने पर अपने विचारों को ढंग से व्यक्त करने की कोशिश करें. आराम करने के तरीके खोजें. ध्यान लगाना या मेडिटेशन करना सीखें. संगीत सुनें.

नई रुचियां विकसित करें

रोमांच की भावना रखने से आपको तनाव कम करने में मदद मिल सकती है. एक शौक खोजें. रचनात्मक बनने की कोशिश करें.

पर्याप्त नींद लें

जब आप तनाव में होते हैं तो आपके शरीर को हील होने के लिए समय चाहिए होता है. इसलिए भरपूर नींद लें.

स्वस्थ-संतुलित भोजन करें

तनाव के प्रभावों से लड़ने के लिए आपके शरीर को अच्छे पोषण की आवश्यकता होती है. इसके अलावा, अपने तनाव को कम करने के लिए शराब पर निर्भर न रहें.

आप इन तरीकों से खुद को तनावमुक्त कर सकती हैं और खुश रह सकती हैं. आप डॉक्टर से भी सलाह ले सकती हैं.

कम उम्र में महिलाएं हो रही हैं हार्ट अटैक का शिकार

आजकल युवाओं में हार्ट अटैक की घटनाएं ज्यादातर सामने आ रही हैं जिनमें खराब लाइफस्टाइल की आदतें और बढ़ता मोटापा या अन्य बीमारियां जैसे डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर जैसे कारण शामिल हैं.

आजकल की भागदौड़ भरी और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल के चलते हार्ट अटैक यानी दिल का दौरा पड़ना एक आम समस्या बन गई है. यह एक ऐसी गंभीर स्थिति है जो अक्सर लोगों की जान ले सकती है. हार्ट अटैक के सबसे सामान्य लक्षण सीने में दर्द या दबाव महसूस होना होते हैं. यह समस्या किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है. एक्सपर्ट्स की माने तो यह समस्या कम उम्र के लोगों और खासकर महिलाओं में ज्यादातर देखने को मिल रही है. यह जानकर आपको हैरानी हो सकती है कि वृद्धो में दिल के दौरे के दर में कमी आयी है और यही संख्या युवाओ में बढ़ी है. इसमें भी खासकर महिलाओं को हार्ट अटैक ज्यादा प्रभावित कर रहा है.

महिलाओं में हार्ट अटैक की समस्या होने के कारणों में हाई ब्लड प्रेशर, स्मोकिंग, डायबिटीज और मोटापा आदि हो सकते है. आइए जानते हैं

महिलाओं में हार्टअटैक की समस्या होने के कारण

हाई ब्लड प्रेशर

हॉपकिंस मेडिसिन डॉट ओआरजी के मुताबिक हाई ब्लड प्रेशर के कारण महिलाओं में हार्ट अटैक की समस्या देखने को मिल सकती है. हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन भी कहते हैं. लाइफस्टाइल की कुछ गलत आदतों के कारण या महिलाओं में गर्भावस्था और बर्थ कंट्रोल पिल्स हाई ब्लड प्रेशर होने के रिस्क को बढ़ा देती है अगर आप बर्थ कंट्रोल पिल्स लेने के साथ-साथ स्मोक भी करती हैं तो इससे ब्लड प्रेशर हाई होने की संभावना अधिक हो जाती है.

हाई कोलेस्ट्रॉल

एस्ट्रोजन महिलाओं को एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल से बचाने का काम करता है लेकिन मेनोपॉज़ जैसी स्थिति के बाद एस्ट्रोजन का लेवल गिर जाता है और हाई कोलेस्ट्रॉल की संभावना अधिक हो जाती है. हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण महिलाओं में हार्ट अटैक होने का खतरा बढ़ जाता है.

स्मोकिंग

स्मोकिंग करने से हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है. ऐसे में स्मोकिंग करने वाली महिलाओं में स्मोकिंग करने वाले पुरुषों की तुलना में हार्ट डिजीज विकसित होने का खतरा और ज्यादा अधिक होता है.

निकोटीन आपकी बॉडी के सभी भागों जैसे हार्ट और ब्लड वेसल्स से लेकर आपके हार्मोंस, मेटाबॉलिज्म और ब्रेन तक, को प्रभावित कर सकता है.

महिलाओं में हार्ट अटैक की समस्या होने के अन्य कारणों में डायबिटीज, मोटापा, जेनेटिक्स हार्ट समस्याएं, उम्र, अत्यधिक शराब का सेवन और खराब लाइफस्टाइल शामिल हो सकते हैं.

महिलाओं के लिए नौकरी की तुलना में सेल्फ एम्प्लॉई होना ज्यादा फायदेमंद! स्टडी में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

शोधों में पाया गया कि जो महिलाएं सैलरी लेती हैं या किसी और के लिए काम करती हैं, उनमें हृदय रोग, हार्ट स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, कोरोनरी हार्ट डिजीज या हार्ट फेलियर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिलीं, जबकि सेल्फ एम्प्लॉई महिलाएं अधिक फिट और हेल्दी पाई गईं.

आमतौर पर यह माना जाता है कि नौकरी करना बिजनेस करने की तुलना में कम स्ट्रेसफुल होता है. यही वजह है कि महिलाएं नौकरी करना अधिक सेफ समझती हैं, लेकिन नए शोध में यह पता चला है कि अगर आप सेल्फ एम्प्लॉई हैं तो यह आपकी सेहत के लिए अधिक फायदेमंद साबित हो सकता है. नए शोध के मुताबिक, खासतौर पर अगर महिलाएं सेल्फ एम्प्लॉई यानी स्व-नियोजित हैं तो उनमें हार्ट से जुड़ी बीमारियां, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मोटापा होने की संभावना कम पाया गया है.

यही नहीं, जो महिलाएं मजदूरी कर रही हैं या नौकरी कर रही हैं, उनकी तुलना में सेल्फ एम्प्लॉई महिलाओं का शारीरिक गतिविधि अधिक रहता है, जिस वजह से उनकी सेहत भी बेहतर रहती है. हेल्थ हार्वर्ड में छपे आलेख के मुताबिक, मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एमिली लाउ का इस विषय पर कहना है कि अध्ययन से पता चलता है कि दरअसल, महिलाओं को अपने रोजगार का प्रभार लेने और उनके काम करने के तरीके, उनकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है.

क्या कहना है शोध का

2016 और 2018 के बीच किए गए इस शोध में करीब 4,624 महिलाओं को सर्वेक्षण में शामिल किया गया और इनके आंकड़ों का विश्लेषण किया गया. इसमें उन महिलाओं को शामिल किया गया जिसमें वेतनभोगी कर्मचारी, स्व-नियोजित या मजदूरी के लिए काम करने वाली थीं. ये सभी 50 वर्ष से अधिक आयु की थीं और लगभग 16% प्रतिभागी सेल्फ इम्प्लॉई थीं जबकि बाकी सैलरी पानी वाली थीं. इनमें पाया गया कि जो महिलाएं सैलरी लेती हैं या किसी और के लिए काम करती हैं, उनमें हृदय रोग, हार्ट स्ट्रोक, हाई ब्लड प्रेशर, कोरोनरी हार्ट डिजीज या हार्ट फेलियर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिली.

क्या पाया गया शोध में

अध्ययन में पाया गया कि स्वरोजगार करने वाली महिलाओं में मोटापे की संभावना 34% कम पाई गई, उच्च रक्तचाप की संभावना 43% कम थी और वेतन या मजदूरी के लिए काम करने वालों की तुलना में मधुमेह की संभावना 30% कम दिखी. इस बीच, स्व-नियोजित महिलाओं का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) कम था और वे अधिक शारीरिक रूप से सक्रिय थीं. जबकि 80% महिलाओं ने कहा कि वे अन्य प्रतिभागियों के 72% की तुलना में सप्ताह में कम से कम दो बार व्यायाम करती हैं. ये सारी चीजें हार्ट के हेल्थ को काफी हद तक प्रभावित करते हैं.

बनना चाहती हैं इंडिपेंडेंट? होम मेकर्स कम पैसों में शुरू कर सकती हैं ये 5 तरह के बिजनेस

कोई भी काम शुरू करने से पहले इन्वेस्टमेंट का सोचकर हम अपने कदम पीछे कर लेते हैं लेकिन ऐसे कई बिजनेस हैं जिन्हें एकदम कम इन्वेस्टमेंट में शुरू कर खूब पैसा कमाया जा सकता हैं.

आजकल समय बदल रहा है, जिसके चलते हर कोई एक अच्छे रोजगार और इनकम की तलाश में रहता है. बढ़ती महंगाई ने सबकी आंखें खोल दी हैं, अधिकतर लोग अब मानते हैं कि आजकल काम छोटा हो लेकिन अपना होना चाहिए. आज के समय में पुरुषों और महिलाओं, दोनों का फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना भी बेहद जरूरी है, ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें और उन्हें किसी पर भी निर्भर ना रहना पड़े.

ऐसे में महिलाएं घर को संभालने के साथ-साथ पैसे तो कमाना चाहती हैं लेकिन वे अक्सर बिजनेस की फंडिंग और आगे का सोचकर कदम नहीं बढ़ा पाती हैं, अगर आपके साथ भी ऐसे ही स्थिति है तो हम आपके लिए बहुत अच्छे और शानदार बिजनेस आइडियाज़ लेकर आएं हैं जिससे कम इन्वेस्टमेंट से भी बिजनेस को शुरू किया जा सकता है.

आजकल बहुत से ऐसे लोग हैं जो पढ़ाई, ऑफिस या किसी काम के चलते घर से बाहर रहते हैं, जिसके चलते वे घर के बने फ्रेश खाने की तलाश में रहते हैं. आप अपनी किचन से टिफिन सर्विस शुरू कर सकती हैं, इसमें इन्वेस्टमेंट काफी कम और फायदा ज्यादा होता है. बिजनेस में ज्यादा मुनाफे के लिए क्वालिटी का ख्याल रखें.

मेकअप आर्टिस्ट

अगर आप मेकअप या फेशियल करना जानती हैं तो आप अपना खुद का ब्यूटी पार्लर शुरू कर सकती हैं. आजकल ऐसी सर्विसेज काफी ट्रेंड में हैं और ये एकदम लो इन्वेस्टमेंट में शुरू किया जा सकता है. आप अपने मेकअप ट्यूटोरियल के विडियोज बनाकर सोशल मीडिया के जरिए भी घर बैठे पैसे कमा सकती हैं.

सिलाई का बिजनेस

आजकल हर रोज बदलते फैशन के दौर में नए-नए डिजाइनर कपड़ों की डिमांड बढ़ती ही जा रही है इसी मौके का फायदा उठाकर आप कपड़ों की सिलाई का काम घर बैठे कम इन्वेस्टमेंट में शुरू कर सकती हैं और घर पर ही टेलरिंग शॉप शुरू कर सकती हैं.

हैंडक्राफ्ट सेलर

आजकल सभी अपने घरों को सजाने के लिए आर्टिफिशियल चीजों का इस्तेमाल करते हैं. ऐसे में इनकी मांग बढ़ती जा रही है, इस मांग को देखते हुए आप जिस प्रकार अपने घर को सजाती हैं ठीक उसी तरह छोटे-छोटे हैंडक्राफ्ट्स बनाकर बेच सकती हैं.

सेल्स बिजनेस

आजकल सभी सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं. ऐसे में आप सोशल मीडिया के जरिए भी कम इन्वेस्टमेंट पर बिजनेस स्टार्ट कर सकती हैं. आप ऑनलाइन ज्वेलरी, कपड़े, गिफ्ट्स या दूसरी चीजें

इनसाइड

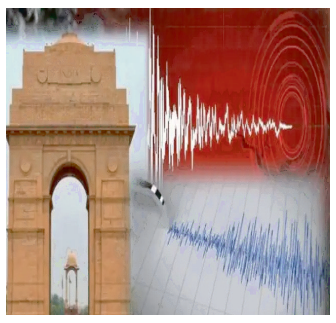

दिल्ली-एनसीआर में बार-बार क्यों हिलती है धरती, जानिए भूकंप से जुड़ी 5 बड़ी बातें

भूकंप के झटकों से दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में धरती हिल गई। आखिर बार-बार भूकंप क्यों आ रहे हैं और दिल्ली-एनसीआर में इसका खतरा ज्यादा क्यों है? इस तरह के भूकंप से जुड़े कई सवालों के जवाब हम आपको बताने जा रहे हैं।

नई दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर समेत यूपी और उत्तराखंड के कई इलाकों में मंगलवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.8 मापी गई। भूंकप का केंद्र नेपाल में बताया जा रहा है। भूकंप के झटको को देखते हुए लोग अपने घरों और ऑफिस से बाहर निकल आए। जब भी भूकंप आता है तब इससे जुड़े सवाल लोगों के मन में आते हैं। आज हम आपको भूकंप से जुड़ी 5 बड़ी बातें बताने जा रहे हैं।

1. क्यों आता है भूकंप?

दरअसल, पृथ्वी के भीतर 7 प्लेट्स होती हैं। ये प्लेट्स लगातार घूमती रहती हैं। जब इनमें असंतुलन होता है, तो भूकंप का जन्म होता है। इसके अलावा हिमखंड या शिलाओं के खिसकने से भी भूकंप पैदा होता है। कई बार धरती की प्लेट ज्यादा दवाब के चलते ये टूटने भी लगती हैं, जिस कारण ऊर्जा निकलती है और भूकंप आता है।

2. दिल्ली एनसीआर में खतरा ज्यादा क्यों?

दिल्ली सोहना फॉल्ट लाइन, मथुरा फॉल्ट लाइन और दिल्ली-मुरादाबाद फॉल्ट लाइन पर स्थित है। ये सभी एक्टिव भूकंपीय फॉल्ट लाइन हैं। वहीं गुरुग्राम दिल्ली-एनसीआर में सबसे ज्यादा संवेदनशील इलाका है क्योंकि ये कम से कम सात फॉल्ट लाइन पर स्थित है। यही कारण है कि दिल्ली-एनसीआर के इलाके में बार-बार भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

3. क्या बार-बार भूकंप आना किसी खतरे का है संकेत?

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में बार-बार आने वाला भूकंप किसी बड़े खतरे की ओर इशारा करता है? ये सवाल आपके मन में भी जरूर आता होगा। हालांकि नैशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक दिल्ली में बड़े भूकंप का आशंका कम है। लेकिन हम ये नहीं कह सकते कि इससे खतरा बिल्कुल नहीं है। दिल्ली-एनसीआर में कई मल्टीलेवल बिल्डिंग हैं। इन बिल्डिंग और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में भूकंप काफी गंभीर हो सकता है।

4. क्या होता है रिक्टर स्केल?

भूकंप को नापने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पैमाने को रिक्टर स्केल कहते हैं। इस स्केल की मदद से भूकंप की तरंगों की गणितीय तीव्रता नापी जाती है। भूकंप की तरंगों को रिक्टर स्केल 1 से 9 तक के अपने मापक पैमाने के आधार पर मापता है। रिक्टर स्केल जमीन की कंपन्न की अधिकतम और आर्बिटरी के अनुपात को नापता है। इस स्केल को 1930 के दशक में डेवलेप रकिया गया था।

5. क्या होता है भूकंप का एपिक सेंटर

भूकंप आने पर धरती पर जिस स्थान पर भूकंपीय तरगें सबसे पहले पहुंचती है, उसे अधिकेंद्र (Epicenter) कहते हैं। आसान भाषा में समझे तो जिस जगह जमीन के नीचे भूकंपीय तरंगे शुरू होती हैं, उसे एपिक सेंटर कहते हैं। वहीं, जिस जगह जमीन की सहत की नीचे भूकंप का केंद्र होता है उसे हाइपोसेंटर कहते हैं। ये वो बिंदु होता है जहां से भूकंप की शुरुआत होती है।

रिपब्लिक डे परेड से पहले दिल्ली में बढ़ी सिक्योरिटी, 6 हजार सुरक्षाकर्मी की तैनाती; सीसीटीवी कैमरों से निगरानी

डॉग स्क्वॉड के साथ बाजारों, अधिक भीड़ वाले इलाकों और अन्य प्रमुख स्थानों पर तोड़फोड़ रोधी जांच की जा रही

एनटीवी संवाददाता

दिल्ली पुलिस ने कर्तव्यपथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस की परेड से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी है। राजधानी में किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए दिल्ली पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

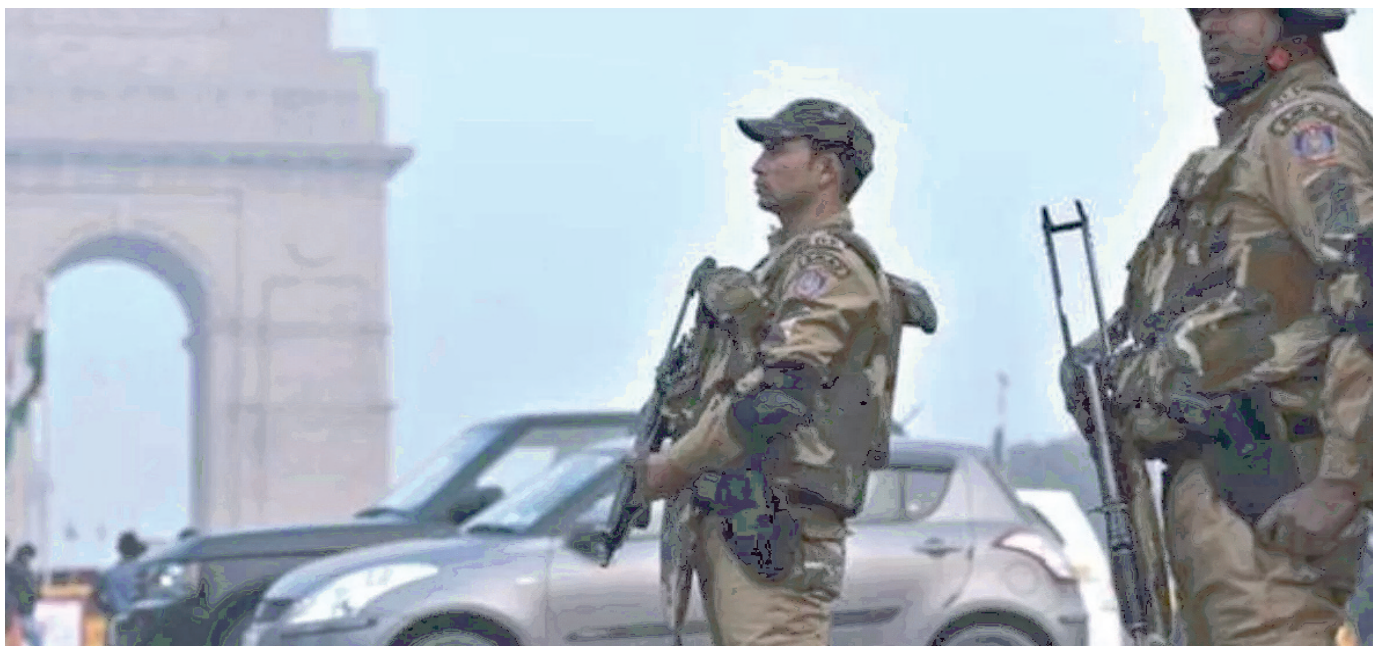

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में गणतंत्र दिवस दिवस समारोह पर सुरक्षा को लेकर एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। गणतंत्र दिवस के मौके पर कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए दिल्ली पुलिस पूरी तरह से मुश्तैद है।दिल्ली पुलिस से जुड़े अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में जांच, सत्यापन अभियान और गश्त तेज कर दी है।

डॉग स्क्वॉड की टीम कर रही जांच

पुलिस ने कहा कि बम निरोधक टीम द्वारा डॉग स्क्वॉड के साथ बाजारों, अधिक भीड़ वाले इलाकों और अन्य प्रमुख स्थानों पर तोड़फोड़ रोधी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस होटल और लॉज की जांच कर रही है। साथ ही साथ वहां के कर्मचारियों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस को सूचित करने के लिए तैयार कर रही है।

किरायेदारों और नौकरों का हो रहा सत्यापन

पुलिस ने कहा कि सभी असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर और थाना प्रभारी, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक कर रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली पुलिस सोशल मीडिया पर भी लोगों को जागरूक कर रही है। पुलिस ने कहा कि किरायेदारों और नौकरों का सत्यापन भी किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि होटलों, गेस्ट हाउसों और धर्मशालाओं में औचक निरीक्षण किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की ओर से जानकारी दी गई है कि कई जिलों ने आतंकवाद विरोधी उपायों के लिए अपनी तैयारियों की जांच के लिए मॉक ड्रिल भी की है। अधिकारियों ने कहा कि अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में आतंकवाद विरोधी उपाय तेज कर दिए गए हैं।

क्यूआर कोड के आधार पर कर्तव्यपथ पर एंट्री

इसके पीछे का कारण है कि दिल्ली हमेशा आतंकवादियों या असामाजिक तत्वों के निशाने पर रही है। णतंत्र दिवस समारोह में लगभग 60,000 से 65,000 लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। इस साल प्रवेश पास पर दिए गए क्यूआर कोड के आधार पर होगा।

पुलिस उपायुक्त (नई दिल्ली) प्रणव तायल ने कहा कि वैध पास या टिकट के बिना किसी भी व्यक्ति को अनुमति नहीं दी जाएगी। डीसीपी ने कहा कि लगभग 6,000 सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे और गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आने वाले लोगों की मदद के लिए नई दिल्ली जिले में कुल 24 हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे। 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

IGI पर स्पाइसजेट की महिला क्रू मेंबर से बदसलूकी करने वाला गिरफ्तार

आईजीआई एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की दिल्ली-हैदराबाद फ्लाइट में एक महिला क्रू मेंबर से बदसलूकी करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपी व्यक्ति की पहचान दिल्ली के जामिया नगर के रहने वाले अबसार आलम के रूप में हुई है। एयरलाइन सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर आरोपी को अरेस्ट किया गया।

नई दिल्ली: दिल्ली-हैदराबाद स्पाइसजेट विमान में सवार महिला क्रू मेंबर के साथ बदसलूकी करने वाले यात्री को एयरलाइन सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान दिल्ली के जामिया नगर निवासी अबसार आलम के रूप में हुई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, सोमवार को शाम 4:39 बजे दिल्ली से हैदराबाद जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में केबिन क्रू के साथ छेड़छाड़ करने वाले एक यात्री के बारे में पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) को फोन आया। अधिकारी ने कहा, पीसीआर कॉल स्पाइस जेट एयरलाइंस के सुरक्षा अधिकारी सुशांत श्रीवास्तव ने की थी। अबसार अपने परिवार के साथ हैदराबाद जा रहा था और उड़ान भरने के दौरान अबसार ने चालक दल की एक महिला सदस्य के साथ दुर्व्यवहार किया। उसके बाद अबसार को स्पाइस जेट के सुरक्षाकर्मियों और पीसीआर के कर्मचारियों द्वारा उतार कर आईजीआई थाने ले जाया गया। पुलिस ने धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एयरलाइन ने कहा कि सोमवार को एसजी-8133 दिल्ली-हैदराबाद फ्लाइट में एक यात्री ने अनियंत्रित और अनुचित तरीके से व्यवहार किया, केबिन क्रू को परेशान किया । स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा, 23 जनवरी, 2023 को स्पाइसजेट के वेट-लीज्ड कोरेंडन विमान को एसजी-8133 (दिल्ली-हैदराबाद) संचालित करने के लिए निर्धारित किया गया था। दिल्ली में बोर्डिंग के दौरान, एक यात्री ने अनियंत्रित और अनुचित तरीके से व्यवहार किया, केबिन क्रू को परेशान किया। चालक दल ने पायलट-इन-कमांड (पीआईसी) और सुरक्षा कर्मचारियों को सूचित किया। प्रवक्ता ने कहा कि उक्त यात्री और एक सह-यात्री, जो एक साथ यात्रा कर रहे थे, को उतार दिया गया और सुरक्षा दल को सौंप दिया गया।

कुछ दिन पहले जनवरी का सबसे सर्द दिन, मंडे को सबसे गर्म, दिल्ली में मौसम का चक्कर क्या है

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली: जनवरी में मौसम ने इतने रंग दिखाए हैं कि गिरगिट भी शरमा जाए। साल की शुरुआत में वैसी ठंड नहीं थी। फिर धीरे-धीरे शीतलहर ने जोर पकड़ा और दिल्ली-एनसीआर में लोग कांपने लगे। छिटपुट बूंदाबांदी और तेज हवाओं ने तापमान और गिराया। 16 जनवरी को दिल्ली के बेस स्टेशन सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कड़ाके की ठंड से करीब एक दशक का रेकॉर्ड टूट गया। फिर धूप निकलने लगी और पारा चढ़ता रहा। सोमवार को जनवरी में गर्मी ने चार साल का रेकॉर्ड तोड़ दिया। सफदरजंग स्टेशन पर 23 जनवरी को अधिकतम तापमान 25.9 डिग्री दर्ज हुआ जो सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा था। पिछले साल जनवरी में अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहा था। चार साल पहले, 21 जनवरी 2019 को दिल्ली का पारा 28.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार से हल्की बारिश के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 20-24 डिग्री के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान के 8-9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। आखिर दिल्ली में इस सर्द-गर्म मौसम की वजह क्या है।

दिल्ली में मौसम का उतार-चढ़ाव समझ एि

साल के पहले दिन दिल्ली का न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगले दो दिन में ठंड से थोड़ी राहत रही फिर 8 जनवरी को 1.9 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। 13-14 जनवरी को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास झूलता रहा। फिर अचानक से मौसम ने पलटी मारी और पारा लुढ़कने लगा। 16 जनवरी को न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

पुलिस के पहरे में दिल्ली मेयर का चुनाव, MCD में नंबर AAP के पास तो भाजपा कैसे कर रही दावा, पूरा गेम समझिए

दिल्ली में मेयर चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। पिछली बार के हंगामे को देखते हुए इस बार बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। आम आदमी पार्टी की बेचैनी भाजपा के नेताओं ने यह कहकर बढ़ा दी है कि मेयर उन्हीं का होगा। आगे देखिए एमसीडी के आंकड़े और समझिए कि आखिर भाजपा कैसे यह दावा कर रही है।

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में एमसीडी के मेयर का चुनाव भी किसी 'संग्राम' से कम नहीं। पहले वाली तारीख पर इतना हंगामा हुआ कि चुनाव रद्द हो गया। आज प्रक्रिया शुरू हुई तो पुलिस का पहरा देखने को मिला। वेल में चेयर को घेरकर महिला और पुरुष जवानों की तैनाती की गई है। तस्वीरें सोशल मीडिया पर आईं तो लोग कहने लगे कि मेयर को लेकर दिल्ली में ये कैसी महाभारत चल रही है? AAP ने कहा कि बिना नंबर के भाजपा मेयर बनाने का दावा कर रही है, यही सबसे बड़ा सवाल है। सुबह करीब साढ़े 11 बजे सबसे पहले मनोनीत पार्षदों का शपथ ग्रहण हुआ। यह शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हो गया। इसके बाद निर्वाचित पार्षदों की शपथ प्रक्रिया शुरू हुई। आज मेयर, डेप्युटी मेयर के साथ ही स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का भी चुनाव होना है। स्टैंडिंग कमेटी की 6 सीटों के लिए कुल सात उम्मीदवार हैं। एमसीडी चुनाव के नतीजे आने के बाद भी भाजपा और AAP में किस बात को लेकर महाभारत चल रही है, इसकी वजह बड़ी दिलचस्प है।

मनोनीत पार्षद वोट नहीं दे सकते...

दरअसल, 15 साल से एमसीडी की सत्ता पर काबिज भाजपा को आम आदमी पार्टी ने इस बार बाहर कर दिया। सबसे ज्यादा पार्षद आम आदमी पार्टी के चुनकर आए हैं। AAP विधायक सौरभ भारद्वाज का कहना है कि हम दिल्ली को चमकाने का काम शुरू करना चाहते हैं लेकिन भाजपा दिल्ली एमसीडी में अनैतिक तरीके से एक साल से कब्जा किए बैठी है। वे नहीं चाहते कि मामला सुलझे। उन्होंने कहा कि डीएमसी ऐक्ट कहता है कि मनोनीत पार्षद वोट नहीं दे सकते हैं, इन्हें अधिकार नहीं है। आम आदमी पार्टी ने साफ कहा है कि हम मनोनीत पार्षदों को वोट डालने नहीं देंगे।

विरोधी कैंडिडेट को वोट कर दें तो...

दिलचस्प बात यह है कि भाजपा शुरू से ही दावा कर रही है कि दिल्ली में मेयर तो उनकी पार्टी का ही होगा। इससे AAP नेताओं की बेचैनी बढ़ गई है। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो आप का पलड़ा भारी है लेकिन कानून में एक पेच है। जी हां, एमसीडी में दलबदल कानून लागू नहीं होता है। ऐसे में पार्टियां विप जारी नहीं कर सकती हैं और देखा यह जाता है कि कुछ नेता दूसरे पार्टी के कैंडिडेट को वोट दे देते हैं। पहले भी कई बार ऐसा देखने को मिला है। यही वजह है कि भाजपा के नेता लगातार पार्षदों से अंतरात्मा की आवाज सुनने की बात कह रहे हैं।

AAP के सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एक वक्त था जब चुनाव हारने के बाद पार्टी के नेता दूसरी पार्टी को शुभकामनाएं देते थे और खुद विपक्ष में बैठने की बात किया करते थे लेकिन आज उस नैतिकता को भाजपा ने तार-तार कर दिया है। AAP का कहना है कि भाजपा अपना मेयर बनवाने की बात इसलिए कर रही है क्योंकि वह मनोनीत लोगों से वोट डलवाने की तैयारी में है। प्रोटेम स्पीकर सत्या शर्मा पार्षदों को शपथ दिला रही हैं। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता हरीश खुराना ने कहा कि आज सुचारू रूप से सदन चलना चाहिए। पहले शपथ हो फिर चुनाव हो। दिल्ली में महापौर के लिए AAP की शैली ओबेरॉय और भाजपा की रेखा गुप्ता के बीच मुकाबला है।

MCD में आंकड़ों का खेल समझिए

एमसीडी में कुल संख्या 274 है और बहुमत 138 है। अगर निर्वाचित पार्षदों और मनोनीत विधायकों-सांसदों के आंकड़े देखें तो साफ पता चलता है कि बहुमत किसके पास है। लेकिन ऐन वक्त पर मेयर चुनाव में बाजी पलट भी सकती है, जिसका दावा भाजपा करती आ रही है।

कौन-कौन हैं वोटर

बैलट बॉक्स के जरिए दिल्ली के मेयर, डेप्युटी मेयर का चुनाव होगा

सभी 250 पार्षद वोट डाल सकेंगे

विधानसभा स्पीकर की तरफ से मनोनीत 14 विधायक भी वोटर

दिल्ली के सभी 10 सांसद भी मेयर चुनाव में वोटर हैं

इसमें लोकसभा के 7 और राज्यसबा के 3 सांसद वोटर हैं

भाजपा के 7 सांसद मेयर चुनाव में करेंगे वोटिंग

22वें दिन ही दाखिल कर दी थी चार्जशीट, सप्ताह भर में कराया डीएनए परीक्षण

यूपी पुलिस ने सामूहित दुष्कर्म की पीड़िता को न्याय दिलाई के काफी तेजी से काम कर रही है पुलिस ने एक हफ्ते के अंदर आरोपी का डीएनए टेस्ट करा-कर 22वें दिन अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

नई दिल्ली। सामूहिक दुष्कर्म की शिकार 11 वर्षीय बच्ची को न्याय दिलाने में खोड़ा थाना पुलिस की प्रभावी पैरवी ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने समय से साक्ष्य एकत्र करके रिपोर्ट दर्ज होने के 22वें दिन ही न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की थी। उसके दूसरे दिन पीड़िता की गवाही कराई थी। हरदिन विधि विज्ञान प्रयोगशाला, निवाड़ी जाकर सप्ताह भर में डीएनएन परीक्षण कराया। पुलिस यदि जरा सी भी लापरवाही करती तो शायद पीड़िता को इतनी जल्द सजा न मिल पाती।

रिपोर्ट दर्ज होते ही शुरू कर दी विवेचना

पीड़ित बच्ची पांच सितंबर को स्वजन के साथ खोड़ा थाना पहुंची थी। पुलिस ने सगे भाईयों प्रदीप व कल्लू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने उसी दिन विवेचना शुरू कर दी थी। आरोपितों के खिलाफ अहम साक्ष्य संकलन करके 22वें दिन 27 सितंबर को चार्जशीट दाखिल कर दी। इस बीच पीड़िता की तबीयत बिगड़ने लगी। मामले में उसकी गवाही बहुत महत्वपूर्ण थी। इस वजह से पुलिस ने 28 सितंबर को उसकी गवाही करा दी। उसी दिन ही पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। आपरेशन के बाद पांच अक्टूबर को उसने स्वस्थ बेटे को जन्म दिया।

क्रम तोड़कर कराया डीएनए परीक्षण

इस मामले में आरोपितों को सजा दिलाने डीएनएन जांच ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस को समय से पहले डीएनए परीक्षण कराने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी थी। तत्कालीन खोड़ा थाना प्रभारी अल्ताफ अंसारी ने आरोपितों और पीड़िता के बेटे का डीएनए परीक्षण का नमूना भराया। क्रम के अनुसार परीक्षण में कई माह का समय लगता। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए सप्ताहभर लगातार विधि-विज्ञान प्रयोगशाला, निवाड़ी में पैरवी की। उसका सकारात्मक नतीजा निकला और क्रम तोड़कर डीएनए परीक्षण हुआ। उसमें स्पष्ट हो गया कि बेटा प्रदीप का है।

20 पेज की चार्जशीट और 50 की केस डायरी

पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ 20 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। 50 पेज की केस डायरी लगाई थी। 40 पेज चिकित्सा संबंधी प्रमाण पत्र लगाए थे। उनमें पैथालाजी की रिपोर्ट सहित अन्य प्रमाण पत्र थे। इन सब साक्ष्यों ने केस को काफी मजबूत किया।

25 व 26 जनवरी को गाजियाबाद से दिल्ली नहीं जाएंगे व्यावसायिक वाहन, लागू रहेगा डायवर्जन

एनटीवी न्यूज

दिल्ली के कर्तव्यपथ पर 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस की परेड को लेकर यूपी गेट महाराजपुर सीमापुरी लोनी व भोपुरा बार्डर पर ट्रैफिक का डायवर्जन रहेगा। 25 और 26 जनवरी को सीधे गाजियाबाद से दिल्ली व्यावसायिक वाहन नहीं जा सकेंगे।

गाजियाबाद। गणतंत्र दिवस पर कल दिल्ली में राजपथ पर परेड होगी। सुरक्षा व यातायात के लिहाज से गाजियाबाद से भारी व्यावसायिक वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर बुधवार रात नौ बजे से ही पाबंदी लगा दी जाएगी।

26 जनवरी को दोपहर बाद दो बजे तक ये वाहन दिल्ली नहीं जा पाएंगे। इससे पहले 23 जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल के लिए भी यह डायवर्जन लागू किया गया था।

इन स्थानों पर रहेगी पाबंदी

एडीसीपी ट्रैफिक रामानंद कुशवाहा ने बताया कि एनएच-नौ व दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे से यूपी गेट होते हुए सभी प्रकार के भारी व्यवसायिक वाहनों का दिल्ली में प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इसी तरह डाबर तिराहा से महाराजपुर होते हुए, मोहननगर से सीमापुरी होते हुए, भोपुरा बार्डर से और लोनी बार्डर से भी भारी व्यावसायिक वाहन दिल्ली में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

इन स्थानों पर होगी तैनाती

डायवर्जन का पालन कराने के लिए ट्रैफिक पुलिस आइएमस कालेज, खोड़ा निकास, यूपी गेट पर ऊपर व नीचे, महाराजपुर आनंद विहार बार्डर, सीमापुरी बार्डर, बीकानेर गोलचक्कर, भोपुरा बार्डर, तुलसी निकेतन व लोनी बार्डर पर डायवर्जन शुरू होने से एक घंटा पहले से एक घंटा बाद तक मौजूद रहेगी। कोई अड़चन न आए, इसलिए दो शिफ्ट पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

जाम में फंसते हैं तो इन नंबरों पर करें फोन

ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करने की अपील के साथ ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर- 9643322904, टीआइ संतोष सिंह- 7007847097, टीआइ अजय कुमार- 9219005151 और टीआइ मनोज कुमार सिंह- 8130674912 का मोबाइल नंबर भी जारी किया है। डायवर्जन के दौरान जाम में फंसने या रूट को लेकर सहायता के लिए इन नंबरों पर काल की जा सकती है।

इनसाइड

स्क्रैप कारोबारी से बदमाशों ने लूटे 44 लाख रुपए, जांच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद। स्क्रैप कारोबारी से बाइक सवार बदमाश हथियार के बल पर 44 लाख रुपए लूट ले गए। घटना सोमवार देर रात की है। दिल्ली सीलमपुर से व्यापारियों से तगादा कर रूपये लेकर लौट रहे मुरादनगर निवासी स्क्रैप कारोबारी फरमान से बाइक सवार तीन बदमाशों ने हथियार के बल पर 44 लाख रूपये लूट लिए। वारदात के बाद बदमाशों की बाइक स्टार्ट नहीं हुई तो मौके से गुजर रहे मोरटी निवासी भूपेश से स्कूटी लूटकर फरार हो गए। फरमान अपने दोस्त आसिफ के साथ मुरादनगर लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि जानकारी करने पर फरमान ने बताया सोमवार शाम साढ़े पांच बजे दिल्ली से चले थे। करीब साथ बजे वह राजनगर एक्सटेंशन पहुंचे। जाम की स्थिति को देखते हुए मोरटी कट से भट्टा नंबर पांच की ओर से जाने लगे। कच्चे रास्ते पर पहुंचते से पीछे से आए एक बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। एक बदमाश ने हथियार से चालक की ओर का शीशा तोड़ दिया और पैसे मांगने लगा। वहीं दूसरा बदमाश दूसरी ओर आया और दरवाजा खोलकर आसिफ के घुटने में तमंचे की बट मारी। गोली मारने की धमकी देकर बदमाश पैसों से भरा बैग लूटकर भाग गए। डीसीपी नगर जोन निपुण अग्रवाल ने बताया कि मामले में चार टीम का गठन कर दिया गया। मामले की जांच की जा रही है। जल्द घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

खाकी को सलाम! पुलिस ने मिलाए टूटे दिल बच्ची को मिला माता-पिता का प्यार

गाजियाबाद पुलिस केवल अपराधियों को ही नहीं पकड़ती है बल्कि परिवारों को भी जोड़ती है। ऐसा ही एक वाकया कविनगर थाना क्षेत्र का सामने आया है। पुलिस के एक प्रयास ने टूटे हुए रिश्ते को दोबारा जोड़ दिया और तीन साल पूर्व तलाकशुदा दंपती को एक कर दिया।

गाजियाबादः पुलिस केवल अपराधियों को ही नहीं पकड़ती है, बल्कि परिवारों को भी जोड़ती है। ऐसा ही एक वाकया कविनगर थाना क्षेत्र का सामने आया है। पुलिस के एक प्रयास ने टूटे हुए रिश्ते को दोबारा जोड़ दिया और तीन साल पूर्व तलाकशुदा दंपती को एक कर दिया। इससे आठ साल की बच्ची को माता-पिता दोनों का प्यार मिल गया। पुलिस के इस सराहनीय कार्य का दंपती समेत सोसायटी के लोगों ने दिल से स्वागत किया है।

दोनों की शादी 10 साल पूर्व हुई थी

कविनगर थाना प्रभारी अमित कुमार काकरान ने बताया कि रविवार रात को महागुनपुरम सोसायटी में एक महिला अपनी आठ साल की बेटी के साथ सोसायटी के गेट पर बैठ गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि महिला पिछले कई माह से फ्लैट मालिक को किराया व बिजली का बिल नहीं दे सकी थी। इस कारण मालिक ने फ्लैट से निकाल दिया। जांच में पता चला कि महिला रिचा तलाकशुदा है। उनके पति अनूप एक इंजीनियरिंग कालेज में प्रोफेसर हैं। पता चला कि दोनों की शादी 10 साल पूर्व हुई थी। उनकी आठ साल की बेटी कहकशा भी है। आपसी विवाद के कारण घर में कलह रहने लगी। तीन साल पूर्व दोनों ने तलाक ले लिया। तलाक के बाद कुछ दिनों तक अनूप ने घर का खर्च उठाया। रिचा के मायके वाले भी उसकी मदद करते रहे, लेकिन अब सबने मदद करना बंद कर दिया था।

महिला पुलिस ने पति-पत्नी की कई राउंड काउंसिलिंग की

एसएचओ ने बताया कि पुलिस ने रिचा के पति अनूप को मौके पर बुलाकर दोनों की काउंसिलिंग की। पुलिस से पूर्व एक एनजीओ की संचालिका ने भी दोनों की काउंसिलिंग कर बीच का रास्ता निकालने का प्रयास किया, लेकिन कामयाब नहीं हो सकी। इसके बाद एसएचओ अमित कुमार काकरान ने थाने में तैनात महिला दारोगा तरुणा सिंह को मौके पर भेजा। तरुणा ने पति-पत्नी की कई राउंड काउंसिलिंग की और दोनों को आठ साल की बच्ची के भविष्य की दुहाई देकर मना लिया। जिसके बाद रिचा और अनूप पूर्व के गिले-शिकवे भूलकर एक साथ रहने को तैयार हो गए। तरुणा सिंह की मौजूदगी में ही दंपती ने पूजा-पाठ कर फ्लैट में प्रवेश किया और नए जीवन की शुरुआत की।

गाजियाबाद की एलिवेटेड रोड पर किए खतरनाक स्टंट

गाजियाबाद पुलिस की लगातार कार्रवाई के बाद भी लोगों सड़कों पर रील्स बनाने से बाज नहीं आ रही हैं। ताजा मामला कनावनी और एलिवेटेड रोड का सामने आया है जहां युवक एक गाने पर खतरनांक स्टंट करते हुए रील्स बना रहे हैं।

साहिबाबाद। गाजियाबाद स्थित एलिवेटेड रोड इन दिनों इंटरनेट पर रील्स बनाने वाले युवक-युवतियों का अड्डा बनाता जा है। पुलिस द्वारा हो रही है एक्शन और चालान के बाद भी रील्स बनाने वाले लोगों बाज नहीं आ रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई के बाद भी सोमवार-रविवार को दो युवकों की रील्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें से एक वीडियो एलिवेटेड रोड का बताया जा रहा है तो दूसरा कनावनी का बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस दोनों ही मामले की जांच में जुटी गई है।

तमंचे पर डिस्को

सोमवार को एक युवक का दो वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ। 15 सेकेंड के इस वीडियो में युवक तमंचे पर डिस्को गाने पर असलहा लहराते हुए एक्शन कर रहा है। 14 सेकेंड के वीडियो में गोरियों में तू गाने पर नृत्य कर रहा है। कमर में असलहा लगाए है। वीडियो कनावनी और उसमें दिखने वाले युवक का नाम सम्राट बताया गया है। वीडियो देखने से यह नहीं पता चल रहा है कि असलहा असली है या नकली।

बड़ा हादसा टला

इंटरनेट मीडिया पर रविवार देर रात एक वीडियो प्रसारित हुआ। 14 सेकेंड का वीडियो एलिवेटेड रोड का बताया जा रहा है। वीडियो बहुत ही खतरनाक है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बाइक सवार युवक एलिवेटेड रोड के रेलिंग पर अगला पहिया उठाकर चढ़ाने की कोशिश कर रहा है। उसके बाद तेज रफ्तार वाहनों के बीच में अगला पहिया उठाकर चल रहा है। गनीमत रही कि इस दौरान कोई हादसा नहीं हुआ।

युवती का शांति भंग में चालान

साहिबाबाद कोतवाली क्षेत्र में एलिवेटेड रोड पर रील बनाने वाली युवती की पहचान नंदग्राम की वैशाली के रूप में हुई है। सोमवार को पुलिस ने उसके खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई भी की है। उसका वीडियो रविवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी। 17 हजार रुपये का चालान भी कटा था।

रोड पर तैनात की पुलिस

इन मामलों में जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त दीक्षा शर्मा ने बताया, एलिवेटेड रोड पर स्टंट, रील बनाने व हुड़दंगई करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और रोड पर पुलिस की एक टीम भी तैनात की गई है।

बच्चियां हो रही हैवानियत की शिकार, बाल अपराध को रोकने में सिस्टम लाचार

क्षेत्र में इन दिनों बच्चियां सुरक्षित नहीं है। आए दिन कहीं ना कहीं से बच्चियां के साथ जघन्य अपराध की सूचनाएं मिल रही है। पुलिस-प्रशासन बच्चियों को सुरक्षित माहौल दिलाने में असफल साबित हो रहा है। एक महीने में ही तीन बच्चियों के साथ दुष्कर्म की कोशिश हो चुकी है।

मोदीनगर (गाजियाबाद): क्षेत्र में इन दिनों बच्चियां सुरक्षित नहीं है। आए दिन कहीं ना कहीं से बच्चियां के साथ जघन्य अपराध की सूचनाएं मिल रही है। पुलिस-प्रशासन बच्चियों को सुरक्षित माहौल दिलाने में असफल साबित हो रहा है। एक महीने में ही तीन बच्चियों के साथ दुष्कर्म की कोशिश हो चुकी है। शनिवार को भी दुष्कर्म की कोशिश के विरोध में बच्ची की हत्या कर दी गई। सिस्टम बाल अपराध रोकने को लेकर कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इस महीने हुई घटनाओं से लग रहा है।

बता दें चार महीने पहले ही गांव रोरी में बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। शव भी खेत में फेंक दिया था। घटना की गूंज लखनऊ तक गई थी। इसके बावजूद क्षेत्र में बाल अपराध रोकने की दिशा में पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कदम उठाने की जरूरत नहीं समझी गई। बच्चियां लगातार हैवानियत की शिकार हो रही हैं। हालांकि, सभी मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित जेल में सजा काट रहे हैं, लेकिन घटनाओं के बढ़ने में कहीं ना कहीं सिस्टम का फेलियर ही सामने आ रहा है।

मुख्य घटनाएं

1. 21 जनवरी की सुबह एक गांव में बच्ची का अपहरण कर खेत में ले जाकर दुष्कर्म की कोशिश की गई। शोर मचाते हुए जब बच्ची वहां से भागी तो आरोपित ने बच्ची की ईंट से हत्या कर दी। पहचान मिटाने के लिए बच्ची के चेहरे को भी ईंट से कूच दिया। आरोपित भी नाबालिग हैं।

2. 15 जनवरी को पड़ोस की दुकान से पापकार्न खरीदने गई 13 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश की गई। आरोपित ने बच्ची के नाजुक अंगों के साथ भी छेड़खानी की। विरोध पर बच्ची के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। धमकी दी कि यदि इस बारे में किसी से बताया तो पूरे परिवार को जान से मार देगा।

3. 31 दिसंबर की रात गोविंदपुरी स्थित एक कालोनी में दुकान से सामान लेने गई 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुकानदार ने दुष्कर्म की कोशिश की। वह टाफी देने के बहाने उसे कमरे में ले गया था। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बच्ची को आरोपित के चंगुल से बचाया।

4. 30 दिसंबर की रात निवाड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में टाफी दिलाने के बहाने एक आरोपित बच्ची को खेत में ले गया। वहां उससे दुष्कर्म की कोशिश की गई। हालांकि, जब बच्ची को खोजते हुए गांव के लोग खेत पहुंचे तो आरोपित पकड़ा गया। बच्ची की उम्र महज 10 साल है।

5. अगस्त 2022 में एक गांव से दो बच्चियों का अपहरण किया गया। इसमें एक बच्ची चुगंल से भाग आई। जबकि दूसरी बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई। आरोपित शव को खेत में फेंककर फरार हो गया। इस घटना की गूंज शासन स्तर तक गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर कुछ ही दिन में चार्जशीट भी दाखिल की थी।

इनसाइड

Honda CB500F बाइक की दिखी पहली झलक, जल्द लॉन्च होने की उम्मीद, जानें किन फीचर्स से हो सकती है लैस

Honda CB500F Bike जल्द ही भारतीय ऑटो बाजार में देखने को मिल सकती है। इसे होंडा के एक डीलरशिप में देखा गया है। बता दें कि इसे ब्रांड के 500cc सेगमेंट में लाने की बात कही जा रही है और कई नए फीचर्स को देखा जा सकेगा।

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा जल्द ही अपनी एक नई बाइक को भारतीय बाजार में लॉन्च कर सकती है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि हाल ही में बेंगलुरु के एक होंडा डीलरशिप पर नई Honda CB500F बाइक को देखा गया है। कुछ समय पहले होंडा ने भारत में अपने नए 500cc प्लेटफॉर्म के आधार पर एक बाइक को लॉन्च करने की बात कही थी। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत में यह वही बाइक है, जिसके बारे में होंडा ने बात की थी।

मिल सकता है जबरदस्त पावरट्रेन

नई होंडा CB500F को नेकेड बाइक सेगमेंट में एक माइल्ड इंजन के साथ लाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, इस बाइक में 471cc वाला पैरेलल ट्विन मोटर दिया जा सकता है, जो 600rpm पर 47.5PS की पावर और 6500rpm पर 43Nm का पीक टॉर्क जनरेट करने में सक्षम होगा।

ट्रांसमिशन के लिए बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स को भी जोड़ा जा सकता है। बता दें कि बिगविंग के लिए अपने 500cc पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए होंडा काफी समय से काम कर रही है। इस कारण होंडा की इस बाइक को लाये जाने की बात कही जा रही है।

बेहतर राइडिंग का मिलेगा अनुभव

नई होंडा बाइक को बेहतर राइडिंग का अनुभव देने के लिए भी डिजाइन किया जाएगा। इसमें 41mm के फ्रंट फोर्क और दोनों सिरों पर प्री-लोड-एडजस्टेबिलिटी के साथ एक रियर प्रो-लिंक मोनोशॉक शामिल किए जा सकते हैं। वहीं, ब्रेकिंग के लिए फ्रंट व्हील पर 320mm का डिस्क ब्रेक और 240mm रियर डिस्क देखने को मिल सकता है। इसके आलवा, डुअल-चैनल ABS ब्रेकिंग ड्यूटी के लिए जोड़ा जा सकता है।

Honda CB500F की कीमत और लॉन्चिंग

Honda CB500F बाइक को भारत में अगले साल जून तक लॉन्च किया जा सकता है। इसकी अनुमानित कीमत 4.79 लाख रुपये है। वहीं, लॉन्च होने के बाद इसका मुकाबला Benelli Leoncino 500 बाइक से होगा।

नई Royal Enfield Super Meteor 650 से उठा पर्दा, जानें क्या हैं रेट्रो लुक वाली इस क्रूजर बाइक के फीचर्स

नई दिल्ली, । रॉयल एनफील्ड ने काफी लंबे समय से इंतजार की जा रही अपनी सुपर मीटियोर 650 (Super Meteor 650) बाइक से पर्दा उठा दिया है। इसे इटली में आयोजित 2022 EICMA शो में पेश किया गया है और उम्मीद है कि इसे इसी महीने भारत में होने वाली राइडर मेनिया इवेंट 2022 में भी शोकेस किया जा सकता है। जानकारी के लिए बता दें कि पेश हुई रॉयल एनफील्ड सुपर मीटियोर 650 एक क्रूजर बाइक है, जिसे रेट्रो लुक में उतारा गया है। इसके अलावा, इसमें 648cc वाले पैरेलल-ट्विन इंजन भी दिया गया है। इवेंट में सामने आई बाइक एक एक लो-प्रोफाइल बाइक है, जो काफी हद तक मीटियोर 650 की तरह ही दिखती है, लेकिन इसमें कई प्रीमियम एलीमेंट्स को शामिल किया गया है। इसे टूरर ट्रिम में एक लंबी विंडस्क्रीन, एक पिलर बैकरेस्ट, ड्यूल सीट्स, पैनियर, एक टूरिंग हैंडलबार और बड़े फुटपेग जैसे कई बिट्स मिलते हैं। साथ ही बाइक में 1,500mm का लंबा व्हीलबेस देखने को मिलता है।

Hyundai Grand i10 Nios से लेकर Tata Punch सात लाख के अंदर मिलती हैं ये शानदार गाड़ियां

भारत में कई शानदार कारें बिक्री के लिए उपलब्ध हैं जिन्हें सात लाख रुपये कर बजट में खरीदा जा सकता है। इसलिए अगर आप इन दिनों ऐसी कोई कार खरीदने की योजना बना रहे हैं तो इस लिस्ट को देखें।

नई दिल्ली। अगर आप एक ऐसी गाड़ी की तलाश में हैं जो दिखने में शानदार हो, कई फीचर्स से लैस हो, लेकिन आपके बजट में भी आ जाए तो सात लाख रुपये के अंदर भारत में कई शानदार कारें उपलब्ध हैं। इसमें हुंडई की नई ऑरा और ग्रैंड i10 निऑस से लेकर टाटा पंच और निसान मैग्नाइट जैसी गाड़ियां शामिल हैं। तो चलिए इस रेंज में आने वाली गाड़ियों को देखते हैं।

Hyundai Grand i10 Nios Facelift

हुंडई ग्रैंड i10 निऑस फेसलिफ्ट गाड़ी को हाल ही में लॉन्च किया गया है। इसकी कीमत 5.58 लाख रुपये रखी गई है और इसमें नया आरडीई कंप्लेंट 1.2-लीटर एनए पेट्रोल इंजन मिलता है । मैनुअल गियरबॉक्स के साथ इस गाड़ी में 20.7 kmpl और AMT के लिए 20.1 kmpl की माइलेज देने की क्षमता है। इसके अलावा, अलावा CNG विकल्प मिलता है। ट्रांसमिशन के लिए सीएनजी वेरिएंट में केवल 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स दिया गया है।

Hyundai Aura Fecelift

सात लाख रुपये के बजट में हुंडई के पास नई ऑरा फेसलिफ्ट सेडान कार भी है। यह कार में 1.2-लीटर इंजन के साथ आती है, जो 83hp की पावर और 113.8Nm का पीक टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है। ऑरा फेसलिफ्ट के बेस मॉडल को 6.29 लाख रुपये में पेश किया गया है जो कि टॉप मॉडल के लिए 8.57 लाख रुपये तक जाता है।

Tata Punch

सात लाख रुपये से कम बजट वाली कारों में टाटा पंच कार भी है। इसकी कीमत 6.00 लाख रुपये से 9.54 लाख रुपये के बीच है। इस कार में 1.2-लीटर नैचुरली-एस्पिरेटेड रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन है, जो 84.48bhp की पावर और 113 Nm टॉर्क जनरेट करता है। 7-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और क्लाइमेट कंट्रोल जैसे बहुत-से फीचर्स इसमें देखने को मिलते हैं।

Nissan Magnite

इस लिस्ट में आखिरी कार निसान की मैग्नाइट है। निसान मैग्नाइट के बेस 'एक्सई' वेरिएंट की कीमत 5.97 लाख रुपये है। इस कार में 1.0-लीटर नैचुरली-एस्पिरेटेड मॉडल है जो 71.05bhp की पावर जनरेट करता है। साथ ही, एंड्रॉयड ऑटो और ऐपल कारप्ले के साथ 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ इस कार में चार्जर, एयर प्यूरीफायर जैसी सुविधाएं भी हैं।

मिनी कूपर कनवर्टिबल एस कार खरीदने के लिए करनी पड़ेगी जेब ढीली, कंपनी ने बढ़ाए इतने रुपये तक दाम

Mini Cooper Convertible S की कीमतों को बढ़ा दिया गया है। अब मिनी कूपर को खरीदने के लिए आपको 5.32 लाख रुपये अतिरिक्त देने होंगे। वहीं इस कार में 2.0 लीटर का टर्बोचार्ज्ड इंजन दिया गया है जो कि 16 kmpl की माइलेज दे सकता है।

नई दिल्ली। वाहन निर्माता कंपनी मिनी इंडिया ने अपनी मिनी कूपर कनवर्टिबल एस कार की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसकी कीमतों में 5.32 लाख रुपये की बढ़ोतरी की गई है। बता दें कि मिनी कूपर को पिछले साल जून में लॉन्च किया गया था और इसमें 2.0-लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है।

Mini Cooper की नई कीमत

कीमत की बात करें तो जब इसे जून 2021 में लॉन्च किया गया था तब मिनी कूपर की कीमत 44 लाख रुपये थी, लेकिन अब बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 51.82 लाख रुपये हो गई है। वहीं, इसके बाकी मॉडल की कीमत फिलहाल पहले की तरह ही है।

Cooper Convertible S का पावरट्रेन

कंपनी ने इसमें 2.0 लीटर का टर्बोचार्ज्ड इंजन दिया है। यह इंजन 192bhp की पावर और 280Nm का पीक टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है। साथ ही यह 7-स्पीड डुअल क्लच DCT स्टेप्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। इसके अलावा, 0 से 100 kmph की रफ्तार पकड़ने में इस कन्वर्टिबल को 7.1 सेकंड का वक्त लगता है और यह 16 kmpl की माइलेज दे सकती है।

Mini Cooper SE भी है बिक्री के लिए उपलब्ध

जानकारी के लिए आपको बता दें कि भारत में Mini Cooper SE भी बिकक्री के लिए उपलब्ध है। यह एक इलेक्ट्रिक कार है, जिसमें 32.6 kWh का लिथियम आयन बैटरी पैक दिया गया है और यह 184bhp की पावर और 270Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। रेंज की बात करें तो एक बार चार्ज करने पर यह 235 से 270 किमी की रेंज देती है और 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार महज 7.3 सेकेंड में पकड़ सकती है।

लॉन्च होने वाली हैं ये 4 शानदार कारें, जानिए क्या कहती है रिपोर्ट

नई कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो इस ऑर्टिकल को पूरा पढ़ें जहां आपको इस साल लॉन्च होने वाली 4 कारों के बारे में बताने जा रहे हैं।

नई दिल्ली। साल 2023 ऑटो इंडस्ट्री के लिए यादगार साल हो सकता है। क्योंकि, अगले साल एक से बढ़कर एक शानदार कार लॉन्च होने के लिए तैयार है। अगर आप भी अगले साल नई कार खरीदने की योजना बना रहे हैं तो ये खबर आपके लिए है, जहां आपको बताने जा रहे हैं। अगले साल 2023 में लॉन्च होने वाली 4 कारों के बारे में।

TOYOTA INNOVA HYCROSS

इनोवा हाईक्रॉस 25 नंबर को पेश होने वाली है, वहीं इस कार को साल 2023 में पेश किया जाएगा। एमपीवी की कीमतों का खुलासा 2023 दिल्ली ऑटो एक्सपो में किया जाएगा। यह भारत में बहुप्रतीक्षित आगामी नई एमपीवी में से एक है। Toyota Innova HyCross के पॉवरट्रेन सिस्टम में मजबूत हाइब्रिड तकनीक के साथ एक नया 2.0L नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन शामिल होगा।

MARUTI C-SEGMENT MPV

मारुति सुजुकी की आगामी सी-सेगमेंट एमपीवी देश में ब्रांड की पहली टोयोटा री-बैज मॉडल होगी। यह टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस बेस्ड कार होगी, लेकिन इसकी स्टाइल थोड़ी अलग है। एक प्रीमियम प्रोडक्ट होने के नाते, नई मारुति एमपीवी को नेक्सा डीलरशिप के माध्यम से बेचा जाएगा। इस कार साल 2023 के मध्य में लॉन्च किया जा सकता है।

HYUNDAI STARGAZER

रिपोर्ट्स की मानें तो दक्षिण कोरियाई ऑटोमेकर भारत में कॉम्पैक्ट एमपीवी सेगमेंट में कदम रखने की योजना बना रही है। कंपनी Hyundai Stargazer ला सकती है, जो पहले से ही इंडोनेशिया में बिक्री के लिए उपलब्ध है। यह मॉडल 1.5L MPI पेट्रोल इंजन से लैस है, जो 115bhp की पॉवर जेनरेट करने में सक्षम हो सकती है। ट्रांसमिशन विकल्पों में 6-स्पीड एमटी और आईवीटी ऑटोमैटिक शामिल होंगे।

NEW-GEN KIA CARNIVAL

किआ मोटर अगले साल नई पीढ़ी की कार्निवल एमपीवी पेश कर सकती है, जो वर्तमान पीढ़ी की तुलना में नया लंबा, चौड़ा, लंबा और अधिक विशाल है। इसमें पहले के मुकाबले 30mm लंबा व्हीलबेस है। ग्लोबल मार्केट में 2023 किआ कार्निवल 3.5L V6 MPi पेट्रोल, 2.2L स्मार्टस्ट्रीम और 3.5L GDi V6 स्मार्टस्ट्रीम इंजन ऑप्शन के साथ आता है। भारत में MPV 2.2L डीजल इंजन के साथ आएगी जो 200bhp की पॉवर और 440Nm की पीक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है।

जल'वायु की आग, भारत और धुआं-धुआं दुनिया

मुकुंद

अब यह साफ हो चुका है कि दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले देश चीन और अमेरिका हैं। उन्होंने इस दोनों देशों से कहा है कि वे उत्सर्जन में कमी लाएं और मिलकर मानवता को नष्ट होने से बचाएं। हम जलवायु के लिए एकजुट होकर समझौता करें और एक-दूसरे को बचाएं, वर्ना एक साथ आत्मविनाश के रास्ते पर तो बढ़ ही चुके हैं।

इस समय मिस्र के शर्म-अल-शेख में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में दुनिया जलवायु परिवर्तन के खतरों पर चर्चा कर रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने संसार को चेताया है। उनके आगाह करने में भविष्य की पीड़ा है। वो जब यह कहते हैं- जलवायु परिवर्तन के चलते दुनिया नरक के हाइवे और पैर एक्सेलरेटर पर हैं, तो सहसा यकीन नहीं होता पर जिस्म थर्रा जाता है। क्योंकि इस पर अब तक के अध्ययन और निष्कर्ष भयावह हैं। उन्होंने कहा-अपनी जिंदगी की जंग हम तेजी से हार रहे हैं। हमारे पास यह आखिरी मौका है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए इस संकट से बचा सकें। अब कोई विकल्प शेष नहीं है। या तो सहयोग करें या नरक में जलें।

अब यह साफ हो चुका है कि दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले देश चीन और अमेरिका हैं। उन्होंने इस दोनों देशों से कहा है कि वे उत्सर्जन में कमी लाएं और मिलकर मानवता को नष्ट होने से बचाएं। हम जलवायु के लिए एकजुट होकर समझौता करें और एक-दूसरे को बचाएं, वर्ना एक साथ आत्मविनाश के रास्ते पर तो बढ़ ही चुके हैं। उन्होंने मनुष्यता की रक्षा के लिए सभी देशों से अपील की है कि किसी भी तरह से 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल किया जाए। हर हाल में दुनिया को 2040 तक कोयला के इस्तेमाल से मुक्त किया जाए। दुनिया के सबसे अमीर और सबसे गरीब देशों के बीच एक समझौता हो। गुटेरस की अपील से इस सम्मेलन के मेजबान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी इत्तेफाक करते हैं। उन्होंने कहा है- जलवायु परिवर्तन बिना मानवीय प्रयासों के रुकने वाला नहीं। दुनिया के पास अब बहुत कम वक्त बचा है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख सिमोन स्टील ने दुनियाभर के कई बड़े देशों के नेताओं के नहीं आने पर निराशा जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसे रवैये से तो समस्या टलने वाली नहीं है।

इस संबंध में आंकड़ों पर गौर करना होगा। महत्वपूर्ण है कि दुनिया को ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से गर्म कर तबाही की तरफ ले जाने वालों में 15 गीगा टन के साथ सबसे ऊपर चीन है। वह अकेला भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ के 27 देशों से ज्यादा उत्सर्जन करता है। 3.5 गीगा टन के साथ भारत तीसरे स्थान पर है। हालांकि, उत्सर्जन को प्रति व्यक्ति के हिसाब से आंका जाए तो भारत वैश्विक औसत 6.3 टन प्रति व्यक्ति के औसत से आधे से भी कम 2.4 टन प्रति व्यक्ति उत्सर्जन कर

रहा है। अमेरिका 15 टन प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के साथ सबसे ऊपर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जियेवा मानती हैं कि दुनिया फिलहाल कार्बन क्रेडिट व्यवस्था से लक्ष्यों से काफी पीछे है। 2030 तक प्रति टन कार्बन की कीमत कम से कम 75 डॉलर होनी चाहिए। फिलहाल यह 2 डॉलर प्रति टन है।

इस हालात पर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की इमिशन गैप रिपोर्ट कहती है कि ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन मौजूदा स्तर रहा तो सदी के अंत में धरती का तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका होगा। जीवन बचाए रखने के लिए इसमें 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक की बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए। अब यहां पेरिस समझौता को जानना जरूरी है। यह जलवायु परिवर्तन के विषय पर कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता है। इसे 12 दिसंबर, 2015 को पेरिस में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में 196 देशों और संगठनों ने स्वीकार किया था। मगर हालात जस के तस हैं। एक अध्ययन में साफ हुआ है कि मौजूदा सूरत-ए-हाल के लिए अमीर देश ज्यादा जवाबदेह हैं। हाल ही में आक्सफैम ने 'कार्बन बिलियनायरः द इन्वेस्टमेंट इमीशन आफ द वर्ल्डर्स रिचेस्ट पीपुल' रिपोर्ट में दुनिया के सर्वाधिक अमीर लोगों के निवेश से होने वाले उत्सर्जन का आकलन किया है। आक्सफैम इंडिया के सीईओ अमिताभ बेहर मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियां बनाते समय दुनिया में हो रहे कुल उत्सर्जन में अमीरों की भूमिका पर बहुत कम ही चर्चा होती है। इसे बदलना होगा। इन अरबपतियों ने ऐसी कंपनियों में निवेश किया हुआ है, जो बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदार हैं।

आक्सफैम इंटरनेशनल के जलवायु परिवर्तन प्रमुख नेफकोट डाबी ने कहा है- 'इन अमीरों को छिपे रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सरकारों को इन अमीरों के निवेश से होने वाले उत्सर्जन के आंकड़े छापने चाहिए और निवेशकों एवं कंपनियों पर कार्बन उत्सर्जन कम करने का नीतिगत दबाव बनाना चाहिए। प्रदूषण का कारण बनने वाले इनके निवेश पर टैक्स लगाया जाना चाहिए।' आक्सफैम का कहना है कि अमीरों पर टैक्स लगाकर मिला पैसा जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में बहुत सहायक हो सकता है। टैक्स लगाने से अमीर ऐसे निवेश से दूर भी होंगे, जो पर्यावरण के लिए सही होगा। 40 लाख लोग वीगन बनेंगे, तब एक अरबपति के उत्सर्जन की भरपाई होगी। वीगन ऐसे शाकाहारी होते हैं, जो पशुओं से मिलने वाले उत्पाद जैसे दूध और शहद आदि भी नहीं खाते।

आक्सफैम की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि समय के साथ शीर्ष कार्बन उत्सर्जक अमेरिका ने 1990 से 2014 तक अन्य देशों की जलवायु को लेकर 1.9 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान पहुंचाया है। इसमें सबसे ज्यादा ब्राजील को 310 अरब डॉलर और भारत को 257 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। साथ ही अमेरिका के अपने कार्बन प्रदूषण ने उसे 183 अरब डॉलर से अधिक का लाभ पहुंचाया। डार्टमाउथ कॉलेज के जलवायु वैज्ञानिक और सह-अध्ययनकर्ता जस्टिन मैनकिन ने कहा कि हो सकता है सभी देश पुनर्स्थापन के लिए अमेरिका की ओर देख रहे हों। अमेरिका ने अपने उत्सर्जन से भारी मात्रा में आर्थिक नुकसान किया है। प्रमुख अध्ययनकर्ता क्रिस्टोफर कैलाहन ने कहा कि विकासशील देशों ने अमीर देशों को भविष्य के लिए कार्बन उत्सर्जन को कम करने में आर्थिक रूप से मदद करने का वादा करने के लिए आश्वस्त किया है। लेकिन वैश्विक जलवायु वार्ता में क्षतिपूर्ति के बारे में कोई बात नहीं होती है। उन वार्ताओं में अमेरिका और चीन जैसे सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक पर्दे के पीछे से मना कर रहे होते हैं। कैलाहन डार्टमाउथ में जलवायु प्रभाव शोधकर्ता हैं।

इस मसले पर भारत का पक्ष और उसकी चिंता महत्वपूर्ण है। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लासगो के स्कॉटिश प्रदर्शनी केंद्र में कहा था कि 2070 तक भारत 'शुद्ध शून्य' के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। मोदी ने कहा था कि दुनिया की पूरी आबादी से ज्यादा यात्री हर साल भारतीय रेलवे से यात्रा करते हैं। इस विशाल रेलवे प्रणाली ने 2030 तक खुद को 'नेट जीरो' बनाने का लक्ष्य रखा है। इस पहल से अकेले उत्सर्जन में 60 मिलियन टन प्रति वर्ष की कमी आएगी। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की हालिया प्रकाशित रिपोर्ट भी इस बारे में आगाह करती है। इसमें कहा गया है कि इंसानों ने वातावरण को गर्मी रोकने वाली गैसों से इतना भर दिया है कि पृथ्वी के स्वास्थ्य के चार महत्वपूर्ण उपायों ने पिछले साल रिकॉर्ड तोड़ दिया। जंगलों को उजाड़ने और जीवाश्म ईंधन को जलाने की वजह से जलवायु पहले से ही ऐसी अनिश्चित स्थिति में चली गई है जो मानव सभ्यता के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई।

संपादक की कलम से

दायित्व के नए दायरे

सुशासन की पहली निशानी काम पर प्रशासन यानी दायित्व के दायरे में सरकारी मशीनरी अपनी पूरी क्षमता से काम करे, तो सत्ता के प्रयत्न कारगर सिद्ध होंगे। हिमाचल की नई सरकार को हम दिल्ली के दरबार में देखें या राहुल गांधी की भारत यात्रा में कदम ताल करते महसूस करें, लेकिन प्रदेश का घटनाक्रम बता रहा है कि बतौर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने अपने निर्देशों की परिपाटी सजा दी है। पद-पदक से हटकर और स्थानांतरण के दबाव को दरकिनार करके मुख्यमंत्री ने प्रशासन के व्यावहारिक पक्ष को अलंकृत करने का खाका बनाया है, वरना सरकार दिल्ली में और एतबार हिमाचल में कैसे पैदा होता। सबसे पहले सीमेंट संकट के हमले के बीच सरकार के प्रयास असरदार न होते। मुख्य सचिव के नेतृत्व में दोनों बंद उद्योगों के साथ सीधी, स्पष्ट और दो टूक बात न होती। यहां बिलासपुर व सोलन के जिलाधीश भी सीमेंट के हर पहलू पर नजर रखते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहली बार सरकार अपने इरादों और मकसद को रेखांकित करते हुए प्रशासन को छूट और उसकी शैली को स्वतंत्र बना रही है और अगर इस मसले पर प्रशासनिक दखल के सार्थक नतीजे आते हैं, तो यह सरकार की कार्यशैली को नए सफर की बुलंदी तक पहुंचाने के कई विकल्प तराशने में मददगार साबित होंगे। मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम तथा तमाम कांग्रेसी विधायकों का टोला दिल्ली में जिन परिस्थितियों में अपनी सत्ता का राग अलाप रहा था, उससे कहीं भिन्न प्रदेश में सुशासन की प्रथम ताजपोशी हो रही थी। सरकार ने दो अहम फैसलों के प्रारूप में इलेक्ट्रिक वाहनों तथा हेलिपोर्ट के निर्माण से जुड़ी आधारभूत जरूरतों का पता लगाने के निर्देश दिए थे। इन दिनों कमोबेश हर जिलाधीश ने दो प्राथमिकताओं पर यथासंभव व यथाशीघ्र कार्य किया है। यानी सभी ने चार्जिंग स्टेशन व हेलिपोर्ट निर्माण के स्थल का लगभग चयन कर लिया है। खूबसूरत पहलू यह कि यह सारा कार्य बिना किसी सियासी दखल से पूरा हो रहा है। इससे सरकारी कार्यसंस्कृति का सुखद एहसास शुरू में ही हुआ है और अगर ऐसे फैसलों की व्यापकता में भी इसी तरह प्रशासनिक सूझबूझ को अहमियत मिलेगी, तो न केवल पारदर्शिता आएगी, बल्कि कई कार्य गैर राजनीतिक दृष्टि से प्रदेश की प्राथमिकताओं का ईमानदारी से निर्वहन भी करेंगे। सरकारें अकसर अपनी सियासी प्राथमिकताओं के कारण सुशासन, बजटीय अनुशासन, विकास संतुलन और वित्तीय आधार को खोखला कर देती हैं। ऐसे में अगर स्थायी रूप से प्रादेशिक योजनाओं-प्राथमिकताओं को सुशासन के ढांचे में विकसित किया जाए, तो राजनीतिक नेतृत्व अपने विजन की भूमिका में उल्लेखनीय कार्य कर पाएगा। सुक्खू सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ और रोजगार के लिए नए प्रयास की ओर इशारा करते हुए यह संकेत भी दिया है कि अनावश्यक ट्रांसफर नहीं होंगे। देखना यह होगा कि इन विषयों पर सरकार की दृष्टि कहां तक जाती है, लेकिन समूचे राज्य के लिए योजनाएं बनेंगी, ऐसा चार्जिंग स्टेशन और हेलिपोर्ट निर्माण के प्रारंभिक निर्देश बता रहे हैं। इसी तर्ज पर अगर प्रशासनिक अमला हर शहर, हर गांव और हर कस्बे के लिए भूमि बैंक बनाए, तो आगामी विकास की हर जरूरत के लिए जमीन की उपलब्धता रहेगी। कहना न होगा कि हर गांव में पार्किंग के लिए नए मैदान चाहिएं, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण चाहिए और ग्रामीण जनता की मूलभूत सुविधाओं को लेकर सभी विभागों का एक संयुक्त कार्यालय चाहिए जहां से गांव की डिस्पेंसरी, पशु चिकित्सा केंद्र, पटवारी कार्यालय तथा पंचायत कार्यालय चल सकें। पूरे प्रदेश के परिवहन को देखते हुए बस स्टॉप, बस स्टैंड तथा शहरों के बस स्टैंड को आधुनिक शापिंग सेंटर तथा महापार्किंग स्थल के रूप में विकसित करना होगा। इसी तरह सभी धार्मिक स्थलों के आय-व्यय को राज्य के परिप्रेक्ष्य में देखना होगा ताकि मंदिर व्यवस्था में एकस्वरूप सामने आए।

विचार यात्रा के पड़ाव

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

भारतीय जनसंघ की स्थापना राष्ट्र प्रथम की विचारधारा के आधार पर हुई थी। उस समय देश में कांग्रेस का वर्चस्व था। यह माना जाता था कि जनसंघ को विपक्ष की ही भूमिका का निर्वाह करना है। तब सदन में इसका संख्याबल कम होता था, लेकिन वैचारिक ओज प्रबल था। भारी बहुमत की सरकारें भी नाम मात्र के संख्याबल के विचारों से परेशान थीं। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जब संसद में बोलते थे, तब लोग ध्यान से सुनते थे। सरकार को भी कई मसलों को सुधारने संभालने की प्रेरणा मिलती थी। जनसंघ और भाजपा की यात्रा में अटल-आडवाणी की जोड़ी का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। जनसंघ के दौर में हिन्दुत्व के मुद्दों को मुखर होकर उठाया जाता था। लेकिन उस समय की परिस्थितियां अलग थी। इन मुद्दों ने जनसंघ को हिन्दी भाषी राज्यों तक सीमित रखा। यहां भी जनसंघ सत्ता से बहुत दूर रही। गैर कांग्रेसवाद अभियान के समय कुछ प्रांतों में संविद सरकारें बनी थीं। जनसंघ उसमें शामिल थी। यह विचार यात्रा का दूसरा पड़ाव था। जनता पार्टी में जनसंघ के विलय एक नया पड़ाव था। आपातकाल के बाद की परिस्थिति में यह विलय अपरिहार्य हो गया था। अन्य पार्टियों के साथ चलने की विवशता थी। लेकिन जनसंघ घटक के लोग अपनी मूल विचारधारा से कभी विमुख नहीं हुए थे। उसी समय अटल बिहारी वाजपेयी को नेहरू की भांति दिखाने संबन्धी चर्चा शुरू हुई थी। किन्तु जनता पार्टी का प्रयोग ढाई वर्ष तक भी नहीं चला। इसके बाद जनसंघ घटक ने भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की। इसमें गांधीवादी समाजवाद की अवधारणा समाहित थी। यह भी विचार यात्रा का एक पड़ाव था। इसमें भी भाजपा ने जनसंघ के समय के अपने मुद्दों का परित्याग नहीं किया था। अयोध्या में श्रीराम मन्दिर निर्माण आंदोलन ने भाजपा को नए पड़ाव पर पहुंचाया। इसके बाद भी उसे अपने दम पर बहुत नहीं मिला। ऐसे में कुछ कशमकश था। गठबंधन की सरकार बनाने या फिर विपक्ष में ही बैठने का विकल्प था। भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनाने का व्यावहारिक निर्णय हुआ। यदि ऐसा न होता तो उन मतदाताओं को निराशा होती जिन्होंने शायद पहली बार भाजपा को इतना बड़ा समर्थन दिया था। वाजपेयी की सरकार करीब दो दर्जन पार्टियों के समर्थन पर आधारित थी। ऐसे में वैचारिक मुद्दों पर अमल सम्भव नहीं था। फिर भी छह वर्षों तक चली इस सरकार ने सुशासन की मिसाल कायम की। विकसित भारत की मजबूत बुनियाद का निर्माण किया गया। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की राजनीति भी बेमिसाल रही है। करीब आधी शताब्दी तक अटल बिहारी आगे चलते रहे। आडवाणी स्वेच्छा से पीछे रहे। संगठन के कार्य में संलग्न रहे। यह राजनीति की बेमिसाल जोड़ी थी। वह पार्टी को मजबूत बनाने और सरकार को अपेक्षित सहयोग करने की दिशा में सतत प्रयत्नशील रहे। आडवाणी की रथयात्राओं ने भाजपा को नए मुकाम पर पहुंचाया। वस्तुतः भाजपा की यात्रा एक विचार की यात्रा रही है, जिसके आधार पर भाजपा का 'पार्टी विद अ डिफरेंस' का दावा एकदम सही लगता है। आज यह देश का सबसे लोकप्रिय दल है और इसकी विचारधारा जन-जन तक पहुंच चुकी है। भाजपा वर्तमान राजनीति में एक मात्र पार्टी है जो व्यक्ति या परिवार पर आधारित नहीं है। यह पूरी तरह विचारधारा पर आधारित पार्टी है। इस विचारधारा के आधार पर ही ऐसे अनेक मसलों का समाधान हुआ है, जिसकी कल्पना करना भी असंभव था। भाजपा की सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही उनकी विचारधारा है।

क्या है निधिवन का रहस्य

श्रीकृष्ण की नगरी कहा जाने वाला श्रीधाम वृंदावन एक अत्यंत पवित्र, प्राचीन एवं रहस्यमयी स्थान है। यहां आज भी अनेक ऐसे स्थान हैं, जो अभी भी श्रीकृष्ण की मोहिनी लीलाओं के साक्षी हैं और उनकी वास्तविकता का सबूत देते हैं। उन्ही में से एक मनोरम स्थल है निधिवन, जहां आज भी श्रीकृष्ण राधारानी एवं अन्य गोपियों के साथ नित्य प्रति रात्रि में रास रचाने आते हैं। आइए जानते हैं निधिवन से जुड़ा यह रोचक प्रसंग।

श्री निधिवनराज यमुना जी के निकट स्थित एक बहुत ही रमणिक स्थान है, यहां की सुंदरता देखते ही बनती है। यहां तुलसी के बड़े-बड़े वृक्ष उपस्थित हैं, इतने बड़े तुलसी के वृक्ष संपूर्ण विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलते। मान्यता है कि यह कोई साधारण वृक्ष नहीं अपितु स्वयं ब्रज गोपियां हैं और यही नित्य रात्रि में अपने वास्तविक स्वरूप में आकर श्रीकृष्ण एवं श्रीजी के साथ रास में भाग लेती हैं। इनका विशेष आकार इस मान्यता को सिद्ध करता हुआ मालूम पड़ता है।

शाम 7 बजे के बाद किसी भी व्यक्ति का निधिवन परिसर में जाना निषेध है और तो और दिन भर निधिवन में उछल-कूद मचाने वाले वानर भी शाम होते ही निधिवन छोड़ बाहर निकल जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि जो भी जीव इस रास के दर्शन कर लेता है, वह या तो सीधे बैकुंठ सिधार जाता है अथवा ऐसी स्थिति में आ जाता है, जिसमें उसने क्या देखा, यह राज वो किसी और को नहीं बता पाता। संध्याकाल में ही निधिवन में शयन आरती हो जाती है, जिसमें ठाकुरजी और राधारानी के लिए विशेष सेज सजाई जाती है, जिसमें दातुन, पान का बीड़ा, लड्डू, भोजन, बिंदिया, चूडिया, बाकी सब श्रृंगार का सामान, श्रीजी के लिए लहंगा-साड़ी आदि ठाकुरजी के लिए सुंदर पीतांबर पटका आदि समेत अनेक प्रकार की सामग्री रखी जाती है।

जब अगले दिन सुबह सभी भक्तों के सामने कक्ष को खोला जाता है तो समस्त समाग्री उपयोग की हुई होती है। चबाई गई दातुन, आधा खाया हुआ पान बीड़ा, खुली हुई साड़ी और पटका, पलंग पर बिछाई गई चादर पर सिलवटें, खाए हुए लड्डू आदि। यह साफ दर्शाता है कि रास के बाद ठाकुरजी एवं श्रीजी ने यहां विश्राम किया और सभी सामग्री का उपयोग भी किया। निधिवन की यह स्थली इसलिए भी खास है क्योंकि यह स्थान ठाकुर श्रीबांके बिहारी जी की प्राकट्य स्थली भी है और ब्रज के महान रसिक संत स्वामी हरिदास जी की तपोस्थली भी है। उनकी समाधी भी निधिवन परिसर में ही मौजूद है।

पानी को बनाया नहीं, सिर्फ बचाया जा सकता है

उमाशंकर पांडेय

पानी को बनाया नहीं बल्कि इसे केवल बचाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के जखनी गांव की हरियाली सारी दुनिया के लिए उदाहरण है। यहां के मेड़बंदी मॉडल को जल संरक्षण के लिए सारे देश में कई जगह लागू किया जा चुका है। भारत का जल शक्ति मंत्रालय इसे पूरे देश के लिए उपयुक्त मानते हुए हर जिले में दो गांवों को जखनी जैसा जलग्राम बनाने के लिए चुन चुका है। नीति आयोग ने भी इस जल संरक्षण विधि को मान्यता दी है और इस आधार पर जखनी को आदर्श गांव माना है। लोग जागरूक हों तो सूखा और अकाल आ ही नहीं सकता। हमें अपने पूर्वजों के समाधान को अपनाना होगा। पुराने तालाबों और कुंओं का जीर्णोद्धार करना होगा। खेतों की मेड़बंदी कर घरों की नालियों का पानी भी खेतों में पहुंचाना होगा।

हमारे पुरखों की जल संरक्षण पर सोच 'खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़' रही है। इसी सोच ने जखनी के जख्म सोख लिए हैं। जखनी के लोगों की प्रशंसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कर चुके हैं। मगर इस बदलाव के लिए धैर्य की जरूरत होती है। यह एक दिन में संभव नहीं होता। जखनी को हरा-भरा करने के सामुदायिक प्रयास में दो-ढ़ाई दशक लग गए। अब हमारा गांव गरीबी, भुखमरी, अपराध और तमाम विवादों से उबर चुका है। वर्षा जल बूंदों को रोकने से गांव का जलस्तर ही नहीं बढ़ा बल्कि गांव में समृद्धि आई और लोगों के पास पैसा आया। अब दुनिया के लोग इस तकनीक को जानने के लिए उत्सुक हैं।

पिछले दिनों अहमदाबाद में इस तकनीक पर कई सत्र में चर्चा हुई। यह देखकर अच्छा लगा कि अपना जखनी आज दुनिया को राह दिखा रहा है। यहां जापान, ऑस्ट्रेलिया, यूएसए, फ्रांस, इटली और यूरोप के लोगों से मिलने का मौका सुखद रहा। यह लोग जखनी मॉडल को जानना-समझना चाहते हैं। मोयेज पूनावाला (ऑस्ट्रेलिया), थॉम हन्ना (यूएसए), वेन मेयर (यूएसए), ओलिवियर गिलोटो (फ्रांस), तोशियो मुरामात्सु (जापान), ब्रूनो बेनाग्लिया (इटली) जेम्स वैलियरे (यूएसए), यूसुफ अत्तरवाला (फोराड) गुजरात, जॉनसन स्क्रीन के ग्लोबल डायरेक्टर क्रेक्स विल्सन (अमेरिका), राकेश अरोरा (पंजाब), विवेक सिंह (भूटान) अनिल शाह (पूना) और सीजीडब्ल्यूबी (जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आरसी जैन ने गंभीरता के साथ भारत के पुरखों की परंपरागत सामुदायिक जल संरक्षण विधि 'खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़' के चमत्कार को सुनकर दंग रह गए। दुनिया के विकसित देशों के इन जल विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने माना कि जल संकट से घिरी दुनिया को यह विधि उबार सकती है। खुशी इस बात की है कि इजरायल में तो काफी पहले इस विधि पर परीक्षण हो चुका है।

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का 'बुंदेलखंड' हर साल गर्मी में सूखे और अकाल से त्राहिमाम-त्राहिमाम करता रहा है। खुशी इस बात की है कि अब हालात बदल रहे हैं। जखनी गांव के लोगों के तीस साल के सामुदायिक प्रयास से सूखा खत्म हो गया है। खेत हर वक्त लहलहाते रहते हैं। अब तो हर साल मेड़बंदी यज्ञ यात्रा भी होने लगी है। प्रधानमंत्री के सकारात्मक संदेशों से जखनी के मूलमंत्र 'खेत पर मेड़-मेड़ पर पेड़' को जल आंदोलन के रूप में बदला जा सका है। यह वही बुंदेलखंड है जहां कभी आचार्य विनोबा भावे ने भूदान यज्ञ का आगाज किया था। यह सुखद है कि उसी बुंदेलखंड में मेड़बंदी यज्ञ शुरू होने लगा है। मेड़ बंदी से जल रोकने का उल्लेख मत्स्य पुराण, जल संघिता, आदित्य स्त्रोत के अलावा वेदों में भी खासकर ऋग्वेद में है। कालखंड बेशक बदला है पर दोनों का लक्ष्य एक ही है। मगर यह सुनकर क्षोभ होता है कि दुनिया भर में 320 करोड़ लोग पानी की कमी वाली जगहों पर रहते हैं।

करीब आते कैथोलिक-प्रोटेस्टेंट, कौन लेगा सीख

आर.के. सिन्हा

दरअसल ईसाई धर्म के दो मुख्य संप्रदायों- कैथोलिक तथा प्रोटेस्टेंट में कुछ बिन्दुओं पर मतभेद रहे हैं। कैथोलिक मदर मैरी की पूजा में भी विश्वास करते हैं। प्रोटेस्टेंट उन पर विश्वास नहीं करते हैं और उनके लिए मैरी केवल यीशु की भौतिक मां है। हां, दोनों संप्रदायों के लिए ईसा मसीह तथा बाइबिल परम आदरणीय हैं।

उत्तर भारत के ईसाई समाज के लिए पिछली 2 नवंबर की तारीख विशेष रही। उस दिन जब सारी दुनिया के ईसाई 'ऑल सोल्स डे' मना रहे थे, तब हरियाणा के शहर रोहतक में कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट पादरी समुदाय के लोग मिलजुलकर इस त्योहार पर एक साथ बैठे। इन्होंने तय किया कि वे देश और अपने समाज के हित के लिये मिलकर प्रयास करते रहेंगे। ईसाई इस दिन कब्रिस्तानों में जाते हैं और अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। 'ऑल सोल्स डे' हिन्दुओं के पितृ पक्ष के श्राद्ध से मिलता-जुलता है।

दरअसल ईसाई धर्म के दो मुख्य संप्रदायों- कैथोलिक तथा प्रोटेस्टेंट में कुछ बिन्दुओं पर मतभेद रहे हैं। कैथोलिक मदर मैरी की पूजा में भी विश्वास करते हैं। प्रोटेस्टेंट उन पर विश्वास नहीं करते हैं और उनके लिए मैरी केवल यीशु की भौतिक मां है। हां, दोनों संप्रदायों के लिए ईसा मसीह तथा बाइबिल परम आदरणीय हैं। कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों के लिए पवित्र दिन क्रिसमस और ईस्टर ही हैं। भारत में कैथोलिक ईसाइयों की आबादी अधिक है। ईसाइयों का भारत में आगमन चालू हुआ 52 ईसवी में। माना जाता है कि तब ईसा मसीह के एक शिष्य सेंट थॉमस केरल आए थे और ईसाई धर्म का विस्तार होने लगा। कहा तो यह भी जाता है कि सेंट थामस बनारस भी आये थे।

देखिए भारत में 1757 में पलासी के युद्ध के बाद गोरों ने दस्तक दी। गोरे पहले के आक्रमणकारियों की तुलना में ज्यादा समझदार थे। वे समझ गए थे कि भारत में धर्मांतरण करवाने से ब्रिटिश हुकूमत का विस्तार संभव नहीं होगा। भारत से कच्चा माल ले जाकर वे अपने देश में औद्योगिक क्रांति की नींव रख सकेंगे। इसलिए ब्रिटेन, जो एक प्रोटेस्टेंट देश हैं, ने भारत में 190 सालों के शासनकाल में धर्मांतरण शायद ही कभी किया हो। इसलिए ही भारत में प्रोटेस्टेंट ईसाई बहुत कम हैं। भारत में ज्यादातर ईसाई कैथोलिक हैं। इनका धर्मांतरण करवाया आयरिश, पुर्तगाली स्पेनिश ईसाई मिशनरियों ने। प्रोटेस्टेंट चर्च तो ज्यादातर समाज सेवा में ही लगी रही।

भारत में कैथोलिक तथा प्रोटेस्टेंट ईसाइयों के बीच दूरियों को कम करने के स्तर पर दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी लगातार प्रयासरत है। इसी संगठन से गांधी जी और गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के परम मित्र दीनबंधु सीएफ एंड्रूज भी जुड़े थे। वे दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी से 1916 में मिले थे। उसके बाद दोनों घनिष्ठ मित्र बने। उन्होंने 1904 से 1914 तक राजधानी के सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ाया। उन्हीं के प्रयासों से ही गांधी जी पहली बार 1915 में दिल्ली आए थे। वे भारत के स्वीधानता आंदोलन से भी जुड़े हुए थे। उनके समय से भारत के ईसाइयों के अलग-अलग संप्रदायों में एकता और भाईचारे की छिट-पुट पहल होने लगी थी। महत्वपूर्ण है कि प्रोटेस्टेंट चर्च ने भारत में कभी धर्मांतरण की भी कोई ज्यादा कोशिशें नहीं की। यह बेहद महत्वपूर्ण तथ्य है।

देखिए, मोटा-मोटी यह कह सकते हैं जहां कैथोलिक ईसाइयों के परम आदरणीय रोम के पोप हैं, वहीं प्रोटेस्टेंट उन्हें अपना धर्मगुरु मानने से इंकार करते हैं। हां, उनका आदर तो सब करते हैं। दुनियाभर में लगभग 7.2 अरब लोग ईसाई धर्म को मानते हैं। भारत में भी एक बड़ी आबादी इस धर्म को मानती है, हालांकि ईसाई धर्म के बारे में सामान्य लोगों में जानकारी का अभाव नजर आता है। ईसाई धर्म एकेश्वरवादी धर्म है, जिसमें ईश्वर को पिता और ईसा मसीह को ईश्वर की संतान माना जाता है। इसके अलावा इसमें पवित्र आत्मा की भी अवधारणा है। इन तीनों को मिलाकर ट्रिनिटी बनती है, जो ईसाइयों के लिए सबसे पवित्र है।

भारतीय ईसाई अनेक संप्रदायों में बिखरे हुए हैं और उनका पुरातन इतिहास भी विविधता से भरा है। मुख्य रूप से ईसाई संप्रदाय संख्या के हिसाब से कैथोलिक हैं। इसके अलावा यह ओर्थोडोक्स, प्रोटेस्टेंट्स, ईवेन जेलिकल और पेंटेकोस्टल समूह और अनेक असंगठित समूह में फैला है। भारत में ईसाइयों का पहला प्रभावकारी स्वरूप कैथोलिक देश पुर्तगाल से 1498 ई. में पुर्तगालियों के आने से हुआ और ब्रिटिश, मूलतः एंग्लीकन या प्रोटेस्टेंट, का प्रभाव ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन 1757 से हुआ। उपर्युक्त सभी समूह स्वतंत्र हैं, परंतु अधिकांश लोगों के द्वारा एक आस्था रखने वाले समूह के रूप में देखे जाते हैं। जब कभी भारतीय ईसाइयों की तरफ देखा जाए तो इन वास्तविकताओं को समझना चाहिए।

ईसाई धर्म के विद्वानों का कहना है कि भारत में कैथोलिक तथा प्रोटेस्टेंट के बीच की दूरियों को कम करने की कोशिशें गुजरे पचास सालों से तेज होती गईं। हालांकि प्रयास पहले भी चल रहे थे। दक्षिण भारत इस बाबत आगे रहा। वहां पर कैथोलिक चर्च तथा प्रोटेस्टेंट चर्च ने प्राकृतिक आपदा के समय मिल-जुलकर काम किया। मसलन केरल में कुछ साल पहले आई बाढ़ और सुनामी के समय दोनों चर्च मिलकर पीड़ितों के पुनर्वास के लिये काम कर रहे थे।

इनसाइड

लिस्टिंग से पहले उछला GMP, आनलाइन चेक करें अलाटमेंट स्टेटस

DCX IPO Allotment Status DCX Systems IPO का आज अलॉटमेंट किया जा रहा है। ग्रे मार्केट में इसका जीएमपी उछाल पर है। BSE वेबसाइट पर लॉग इन करके इसकी ऑनलाइन जांच की जा सकती है। अगर आपने अप्लाई किया है तो स्टेटस चेक कर लें।

नई दिल्ली। DCX Systems Limited के IPO शेयर आवंटन की घोषणा आज होने की संभावना है। 31 अक्टूबर से 2 नवंबर 2022 तक तीन दिनों की बोली के दौरान निवेशकों ने DCX Systems IPO के प्रति खासा उत्साह दिखाया है। ग्रे मार्केट में 500 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू पर तेजी पर बना हुआ है। डीसीएक्स सिस्टम्स के आईपीओ का जीएमपी 78 है। सुबह के सत्र में यह 75 के स्तर पर था।

DCX सिस्टम्स IPO GMP

बाजार पर्यवेक्षकों के अनुसार, DCX सिस्टम्स IPO GMP (ग्रे मार्केट प्रीमियम) आज 78 है, जो कल के GMP 75 प्रति इक्विटी शेयर से 3 रुपये अधिक है। पिछले दो दिनों से DCX सिस्टम्स के शेयर की कीमत ग्रे मार्केट में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।

DCX सिस्टम्स IPO: आनलाइन जांच कैसे करें

जिन लोगों ने 500 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के लिए आवेदन किया है, वे बीएसई की आधिकारिक वेबसाइट bseindia.com या आईपीओ के आधिकारिक रजिस्ट्रार की वेबसाइट पर लॉग इन करके अपने आवेदन की स्थिति की आनलाइन जांच कर सकते हैं।

DCX सिस्टम्स IPO के लिए नियुक्त आधिकारिक रजिस्ट्रार Link Intime Private Limited है और इसकी आधिकारिक वेबसाइट linkintime.co.in है। शेयर आवंटन की घोषणा के बाद बोलीदाता इन वेबसाइटों पर अपने आईपीओ आवेदन की स्थिति की आनलाइन जांच कर सकते हैं।

ये है तरीका

बीएसई के लिंक bseindia.com/investors/appli_check.aspx या सीधे लिंक इनटाइम वेब लिंक linkintime.co.in/MIPO/Ipoallotment.html पर लॉगिन कर शेयरों की जांच की जा सकती है।

बीएसई लिंक पर लॉग इन करें- bseindia.com/investors/appli_check.aspx;

डीसीएक्स सिस्टम्स आईपीओ चुनें

डीसीएक्स सिस्टम्स आईपीओ आवेदन संख्या दर्ज करें

अपना पैन डिटेल दर्ज करें

'मैं रोबोट नहीं हूं' पर क्लिक करें

'सबमिट' बटन पर क्लिक करें

आपकी DCX सिस्टम्स IPO आवंटन स्थिति कंप्यूटर मॉनीटर या स्मार्टफोन स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी

डायरेक्ट इनटाइम लिंक

शेयर आवंटन की घोषणा के बाद, बोलीदाता सीधे लिंक इनटाइम वेब लिंक linkintime.co.in/MIPO/Ipoallotment.html पर लॉग इन कर सकते हैं और ऑनलाइन आवंटन स्थिति की जांच कर सकते हैं। इसका स्टेप बाय स्टेप तरीका यह है।

डायरेक्ट लिंक इनटाइम वेब लिंक पर लॉग इन करें- linkintime.co.in/MIPO/Ipoallotment.html;

डीसीएक्स सिस्टम्स आईपीओ चुनें

अपना पैन नंबर दर्ज करें

'सर्च' विकल्प पर क्लिक करें

आपकी DCX सिस्टम्स IPO आवंटन स्थिति कंप्यूटर मॉनीटर या स्मार्टफोन स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी।

आईओसी, एचपीसीएल, बीपीसीएल को दूसरी तिमाही में 2,749 करोड़ का घाटा

एनटीवी न्यूज

- तीनों कंपनियों को विपणन मार्जिन में गिरावट की वजह से हुआ नुकसान

- चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में संयुक्त घाटा 21,201.18 करोड़ रुपये रहा

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को लगातार दूसरी तिमाही में घाटा हुआ है। इन तीनों कंपनियों को वित्त वर्ष 2022-23 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल 2,748.66 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इन तीनों कंपनियों ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह नुकसान पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी पर विपणन मार्जिन में गिरावट की वजह से हुआ है। हालांकि, सरकार ने एलपीजी के लिए इन कंपनियों को एकमुश्त 22,000 करोड़ रुपये के सरकारी अनुदान से नुकसान कम हुआ, लेकिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट से होने वाले नुकसान की भरपाई नहीं हो सका है।

आईओसी को 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में 272.35 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ, जबकि पहली तिमाही में 1,995.3 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। एचपीसीएल को दूसरी तिमाही में 2,172.14 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जबकि पहली तिमाही में 10,196.94 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इसी तरह बीपीसीएल का घाटा जुलाई-सितंबर तिमाही में 304.17 करोड़ रुपये रहा, जबकि पहली तिमाही में 6,263.05 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। एक अप्रैल से शुरू हुए चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में इन तीनों कंपनियों का संयुक्त घाटा 21,201.18 करोड़ रुपये रहा।

आईपीओ निवेश में इन गलतियों से बचें

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। भारत में आईपीओ बाज़ार पिछले कुछ वर्षों से फलफूल रहा है, खासकर कोरोना महामारी के बाद ये अधिक परिपक्व हुआ है। बड़ी संख्या में रिटेल निवेशकों के प्रवेश और शेयर बाज़ार में निरंतर बढ़ती रैली ने इस प्रक्रिया को और आगे बढ़ाया है। चाहे आप किसी कंपनी की भविष्य की संभावनाओं के बारे में आश्वस्त हों या केवल तुरंत लाभ कमाना चाहते हों, आईपीओ निवेश कुछ महत्त्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखते हुए ही करना चाहिए'

आईपीओ में निवेश करते समय इन गलतियों से बचना चाहिए:

कारोबार के विषय में नहीं जाननाः निवेशकों को यह समझने की आवश्यकता है कि भले ही वे सिर्फ एक आईपीओ में पैसा लगा रहे हों, लेकिन निवेश की मूल बातें वही रहती हैं. यह जानना कि वे कहां निवेश कर रहे हैं, यह सर्वोपरि है। आईपीओ में निवेश किसी व्यवसाय में स्टॉक खरीदने के समान है जिसे आप वास्तव में अच्छी तरह से जानते हैं। आईपीओ निवेश के निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले, वेबसाइट, व्यापार पत्रिकाओं, पुराने कर्मचारियों, मैनेजमेंट इंटरव्यू आदि जैसे स्रोतों से अधिक से अधिक जानकारी इक_ा करने का प्रयास करें। ग्राहकों और कंपनी की वित्तीय स्थिति, देनदारियों, ऋण स्थिति और भविष्य की विकास संभावनाओं को समझने की कोशिश करें। किसी व्यवसाय का सार उसकी लाभ कमाने की क्षमता पर आधारित होता है। इसलिए आपको इसकी लाभ कमाने की क्षमता का स्पष्ट रूप से विश्लेषण करने में सक्षम होना चाहिए।

शोध नहीं करनाः ब्रोकर, डीमैट सेवा प्रदाता या सलाहकार जो आपको बताते हैं, उस पर पूरी तरह से न जाएं। सबसे पहले आईपीओ के कारण की जांच करें और कंपनी आईपीओ आय का उपयोग कैसे करेगी, यह जानने का प्रयास करें। पिछले प्रदर्शन, आय प्रवाह, जोखिम, प्रकटीकरण आदि जैसे महत्त्वपूर्ण मापदंडों की जांच भी करें। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि इस डिजिटल युग में, कंपनी या प्रबंधन द्वारा किया गया हर कदम ऑनलाइन रजिस्टर होता है। इसलिए हर प्रकार की जानकारी कहीं न कहीं से उपलब्ध हो जाती है।

मूल्यांकन नहीं करनाः निवेशकों को कंपनी के नकदी प्रवाह, वित्तीय अनुपात, लाभप्रदता, ऋण और एक ही व्यवसाय श्रेणी में प्रतिस्पर्धियों के प्रदर्शन को बारीकी से देखना चाहिए। हालांकि प्रतिस्पर्धा के साथ वैल्यूएशन मेट्रिक्स की तुलना करना हमेशा समझ में नहीं आता है, खासकर अगर यह तकनीक आधारित कंपनी या पूरी तरह से नया बिजनेस सेगमेंट है। कई मामलों में किसी कंपनी को दिया गया मूल्यांकन अनुचित प्रतीत होता है। निवेश बैंकरों के एक निश्चित मूल्य निर्धारित करने के अपने तरीके और कारण होते हैं। अगर किसी इश्यू की कीमत उचित नहीं है, तो वह डिस्काउंट पर खुलेगा। लिस्टिंग मूल्य तक पहुंचने में भी काफी समय लग सकता है। यह आपके हित में होगा कि आप जिस व्यवसाय से जुड़ने की योजना बना रहे हैं, उसके मूल्य का सही आकलन करें।

बुल मार्केट में प्रचारः तेज़ी के बाजार में आईपीओ को अच्छी प्रतिक्रिया मिलने की अधिक संभावना होती है, इसलिए प्रीमियम पर सूचीबद्ध होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसी तरह गिरावट वाले बाजार में लिस्टिंग लाभ और भागीदारी दोनों की संभावना कम हो जाती है। आईपीओ का प्लेसमेंट और समय महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ प्रमोटर अपने आईपीओ को बुल मार्केट में धकेल कर अवसर का लाभ उठाने का प्रयास कर सकते हैं। इसलिए निवेशकों को ऐसी कंपनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। लंबी अवधि की दृष्टि वाली अच्छी कंपनियों की पहचान और स्पष्ट रूप से परिभाषित व्यापार मॉडल निश्चित रूप से सही व्यवसाय चुनने में मदद करेगा।

टॉप स्पीड 115 KM प्रतिघंटा; सिंगल चार्ज में 181 KM रेंज, बेमिसाल है OLA का यह स्कूटर

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक स्कूटर में इस वक्त नंबर वन कंपनी ओला का एस-वन प्रो स्कूटर आपके लिए बेहत किफायती हो सकता है। OLA S1-Pro के तीन नए वैरिएंट्स बेहद खास हैं, जो आपको बेहतरीन माइलेज के अलाव लाजवाब फीचर्स देते हैं। बात अगर ओला एस-वन प्रो की करें तो इसमें 4 केडब्ल्यूएच क्षमता वाली लीथियम ऑयन बैटरी है, जो कि साढ़े छह घंटे में फुल चार्ज हो जाती है।

खास बात यह है कि यह बैटरी 18 मिनट की चार्जिंग पर 70 से 75 किलोमीटर चलने लायक हो जाती है। फुल चार्ज होने पर यह 170 किलोमटीर चलती है, लेकिन कंपनी का दावा 181 किलोमीटर का है। ओला एस-वन प्रो की टॉप स्पीड 115 किलोमीटर प्रति घंटा है। फीचर्स की बात करें, तो इसमें स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, ब्लूटूथ, वाईफाई कनेक्टिविटी, जीपीएस, साइड स्टैंड डाउन, एंटीं थेफ्ट अलर्ट, जियो फेंसिंग, 36 लीटर का अंडर सीट स्टोरेज, सात इंच का टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर सहित, क्रूज कंट्रोल, रिवर्स मोड, गेट होम मोड, टेक मी होम लाइट्स से फीचर्स शामिल हैं।

व्हाट्सऐप ने मैसेज डिलीट करने का किया पक्का इंतजाम

व्हॉट्सऐप दुनिया के सबसे बड़े इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म में से एक है। मीटा के स्वामित्व वाली कंपनी ने सोमवार को एक नया फीचर 'व्हाट्सऐप एक्सीडेंटल डिलीट' जारी किया है. अक्सर ऐसा होता है जब यूजर्स 'डिलीट फॉर एवरीवन' करने के बजाय 'डिलीट फॉर मी' पर क्लिक कर देते हैं. ऐसे में यूजर्स को कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। हालांकि, वॉट्सऐप द्वारा जारी लेटेस्ट फीचर यूजर्स को 'डिलीट फॉर एवरीवन' पर क्लिक करने का एक और मौका देगा। व्हाट्सऐप का एक्सीडेंटल डिलीट फीचर यूजर्स की प्राइवेसी को और भी ज्यादा मजबूत करता है। यूजर्स जब भी मैसेज डिलीट करते हैं, तो 'डिलीट फोर एवरीवन' और 'डिलीट फॉर मी' ऑप्शन आता है। 'डिलीट फोर एवरीवन' से सभी के लिए मैसेज डिलीट हो जाता है। वहीं, अगर यूजर 'डिलीट फॉर मी' ऑप्शन पर क्लिक करता है तो केवल उस यूजर के लिए ही वो मैसेज डिलीट होता है, बाकि कांटैक्ट उस मैसेज को देख सकते हैं। हालांकि, अब वॉट्सऐप ने यूजर्स को गलती सुधारने का एक मौका दिया है। अगर कोई मैसेज डिलीट करने के लिए यूजर 'डिलीट फोर एवरीवन' की जगह 'डिलीट फोर मी' ऑप्शन पर क्लिक करता है तो मैसेज डिलीट होने के बाद भी दूसरे यूजर्स उस मैसेज को देख सकते हैं। वहीं, नए फीचर के साथ अगर आप गलती से 'डिलीट फॉर मी' पर क्लिक करते हैं तो एक पॉप नजर आता है, जो आपको डिलीट अनडू करने का मौका देता है। इसका मतलब है कि अब यूजर्स को गलती सुधारने के लिए पांच सेकेंड मिलेंगे। व्हॉट्सऐप का नया फीचर गलती से 'डिलीट फॉर मी' किए मैसेज को अनडू करने का मौका देता है।

बिजली संयत्रों के पास कोयले का भंडार 2.56 करोड़ टन हुआ

नईदिल्ली, । कोयले की कमी से बिजली संकट का सामना दोबारा न हो, इसके लिए इसकी आपूर्ति बढ़ा दी गई है। देश में ताप बिजली संयंत्रों के पास कोयले का भंडार 31 अक्टूबर तक बढ़कर 2.56 करोड़ टन हो गया है। बिजली क्षेत्र को घरेलू कोयले की आपूर्ति पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 12 फीसदी अधिक है।

कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि देश में ताप बिजली संयंत्रों के पास 31 अक्टूबर तक कोयले का भंडारण 12 फीसदी बढ़कर 2.56 करोड़ टन हो गया है। मंत्रालय के मुताबिक कोरोना वर्ष 2020-21 को छोड़कर यह अक्टूबर महीने में अब तक का यह सर्वाधिक कोयला भंडार है। इसके साथ ही यह किसी भी वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में बिजली क्षेत्र को होने वाली सर्वाधिक कोयला की आपूर्ति है।

मंत्रालय के मुताबिक कोयले का उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने के लिए 141 नई कोयला खानों को हाल में नीलामी के लिए रखा गया है। कोयला मंत्रालय इससे पहले नीलाम की गई कोयला खदानों के संचालन के लिए संबंधित राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों के साथ मिलकर समन्वय कर रहा है। कोयला मंत्रालय पीएम-गतिशक्ति के तहत सभी प्रमुख खानों के लिए रेल संपर्क बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है, ताकि कोयला तेजी से निकाला जा सके।

उल्लेखनीय है कि इस साल गर्मी के मौसम में कोयले की कमी के कारण कई राज्यों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा था। हालांकि, कोयला मंत्रालय ने कहा था कि बिजली संकट मुख्य रूप से बिजली उत्पादन में तेज गिरावट के कारण हुआ, न कि घरेलू कोयले की अनुपलब्धता के कारण। इसके बाद से कोयला मंत्रालय बिजली क्षेत्र को कोयले की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है।

सुजुकी मोटर को दूसरी तिमाही में पांच हजार करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। जापानी वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन ने वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। कंपनी का दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में परिचालन मुनाफा एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में दोगुना होकर करीब पांच हजार करोड़ रुपये रहा है।

सुजुकी मोटर ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में उसका परिचालन लाभ 89.8 अरब येन (करीब 5,000 करोड़ रुपये) हो गया। कंपनी ने परिचालन लाभ में इस तीव्र बढ़ोतरी के लिए भारत समेत तमाम बाजारों में बिक्री बढ़ने को श्रेय दिया है।

कंपनी के मुताबिक इस दौरान उसकी शुद्ध बिक्री 39.3 फीसदी बढ़कर 1,154.1 अरब येन (करीब 64,000 करोड़ रुपये) हो गई जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 828.2 अरब येन रही थी। सुजुकी मोटर ने कहा कि अप्रैल-सितंबर की छमाही में उसकी कुल वाहन बिक्री 14.63 लाख इकाई पर पहुंच गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में उसने 12.55 लाख वाहन बेचे थे। उल्लेखनीय है कि जापानी वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी भारत में मारुति के साथ मिलकर मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के जरिए परिचालन करती है।

एक साल के उच्चतम स्तर पर सरकारी बैंकों के शेयर, जानिए किसमें मिल रहा सबसे अच्छा मुनाफा

नई दिल्ली, । सार्वजनिक क्षेत्र के 5 बैंकों ने 52-सप्ताह के नए उच्च स्तर को छूकर बेंचमार्क से भी बेहतर प्रदर्शन किया। दूसरी तिमाही में अपनी कमाई से सुर्खियों में आए सरकारी बैंकों के शेयरों में हाल के दिनों में अच्छा उछाल देखने को मिला है। कल दलाल स्ट्रीट पर ये 5 शेयर 4-10% की तेजी के साथ बंद हुए।

सोमवार को लगातार दूसरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी 50 के साथ क्रमशः 61,100 और 18,200 अंक को पार किया। बैंकिंग शेयरों ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बेहतर प्रदर्शन के साथ रैली का नेतृत्व किया। सार्वजनिक क्षेत्र के ये पांच बैंक हैं- इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया केनरा बैंक और बैंक ऑफ इंडिया।

इंडियन बैंक के शेयर सोमवार को BSE पर 4.17% बढ़कर 259.85 रुपये पर बंद हुए। दिन में स्टॉक ने 269 रुपये के नए 52 सप्ताह के उच्च स्तर को छुआ। इसका मार्केट कैप करीब 32,362.79 करोड़ रुपये है। एक साल में दलाल स्ट्रीट पर इंडियन बैंक के शेयर 47 फीसद से अधिक चढ़े हैं।

दूसरी तिमाही के दौरान इंडियन बैंक के शुद्ध लाभ में सालाना 12% की वृद्धि के साथ 1,225 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। शुद्ध ब्याज आय (NII) साल-दर-साल 15% बढ़कर 4,684 करोड़ हो गई। वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में सकल एनपीए 226 आधार अंकों की गिरावट के साथ 7.39% और शुद्ध एनपीए 176 आधार अंकों की गिरावट के साथ 1.5% वर्ष-दर-वर्ष हो गया।

बीओबी बीएसई पर 9.55% की वृद्धि के साथ 158.35 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले सोमवार को शेयरों ने 161.75 के नए स्तर को छुआ था। इसका मार्केट कैप करीब 81,888.52 करोड़ है। एक साल में डी-स्ट्रीट पर BoB के शेयरों में लगभग 50% की वृद्धि हुई है।

FY23 की दूसरी तिमाही में, बैंक ने सालाना 58.70% की वृद्धि के साथ रुपये 3,312.42 करोड़ का एक स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ दर्ज किया। बैंक का NII 34.47% yoy बढ़कर ₹10,174.46 करोड़ हो गया।

मुंबई स्थित पीएसबी 6.07% बढ़कर बीएसई पर 58.55 रुपये पर बंद हुआ। स्टॉक ने सोमवार को 59.10 रुपये के नए 52-सप्ताह के उच्च स्तर को छुआ था। इसका मार्केट कैप लगभग 40,017.45 करोड़ रुपये है। एक साल में यूनियन बैंक के शेयरों में करीब 9 फीसदी का उछाल आया है।

यूनियन बैंक ने पिछले महीने दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए। Q2FY23 के दौरान, बैंक ने वर्ष-दर-वर्ष 21.07% की वृद्धि के साथ 1,848 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जबकि शुद्ध ब्याज आय (NII) वर्ष-दर-वर्ष 8,305 करोड़ रुपये रही।

सोमवार को केनरा बैंक के शेयर बीएसई पर 4.23% बढ़कर 309.45 रुपये पर बंद हुए। बैंक ने इससे पहले दिन में 52-सप्ताह के उच्च स्तर 311.80 को छुआ था। इसका मार्केट कैप करीब 56,138.26 करोड़ है। एक साल में शेयरों में करीब 27 फीसदी का उछाल आया है। सोमवार को सरकार ने टीसीएस के पूर्व उपाध्यक्ष विजय श्रीरंगन को बैंक के बोर्ड में अंशकालिक गैर-आधिकारिक निदेशक के साथ-साथ गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया।

कंगाल पाकिस्तान से दोस्ती निभाएगा चीन या कर्जा लेगा वापस? शहबाज सरकार के लिए 72 घंटे चुनौतीपूर्ण

एनटीवी न्यूज

पाकिस्तान (Pakistan) जो इस समय भयंकर आर्थिक संकट (Economic Crisis in Pakistan) में है, उसे अपने दोस्त चीन (China) से काफी उम्मीदें थीं। मगर उसकी उम्मीदें टूटती जा रही हैं। अगले पांच दिनों में देश को कई अरब डॉलर का विदेशी कर्ज अदा करना है और इसमें चीन का भी एक भारी हिस्सा शामिल है।

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (SBP) की तरफ से आया बयान देश की चिंताओं को बढ़ाने वाला हैं। केंद्रीय बैंक की तरफ से कहा गया है कि अगले पांच दिनों में पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर का विदेशी कर्ज अदा करना है। इसमें चीन का भी भारी हिस्सा शामिल है। हालांकि केंद्रीय बैंक के गर्वनर जमील अहमद की तरफ से जो बयान दिया गया है वह थोड़ी उम्मीदें जगाने वाला भी है। अहमद ने बताया है कि वित्त वर्ष के पहली तिमाही में 15 अरब डॉलर के कर्ज की अदायगी कर दी जाएगी। इसके साथ ही देश फिलहाल कंगाल होने से बच गया है। अब देश को विदेशी कर्ज के तौर पर तीन अरब डॉलर चुकाने हैं। इस वित्त वर्ष के बचे हुए समय में इस लक्ष्य को भी हासिल कर लिया जाएगा। मगर पाकिस्तान के लिए अगले 72 घंटे काफी अहम हैं।

और गिर जाएगा मुद्रा भंडार

पाकिस्तान के अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि अगले 72 घंटों में पाकिस्तान को 500 मिलियन डॉलर के कर्ज की अदायगी करनी है। यह कर्ज अदायगी उसके करीबी दोस्त चीन के एक कमर्शियल बैंक को की जाएगी। इसकी वजह से विदेशी मुद्रा भंडार चार अरब डॉलर से भी नीचे चला जाएगा। साथ ही कोई नई मदद आने की जानकारी भी अभी तक नहीं मिली है। लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के बाद चीनी वित्तीय संस्थान पाकिस्तान को कर्ज देना शुरू कर देंगे। वित्त मंत्रालय के सूत्रों की तरफ से बताया गया है कि एक चीनी कमर्शियल बैंक को 300 मिलियन डॉलर का कर्ज चुकाना है। फरवरी के चौथे हफ्ते में यह राशि मैच्योर हो जाएगी।

राहत की उम्मीद

चीनी बैंक का कर्ज चुकाने के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार इस हफ्ते के अंत तक 3.5 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। सोमवार को देश की मौद्रिक नीति के बारे में केंद्रीय बैंक ने जानकारी दी। बैंक की तरफ से बताया गया कि इस वित्तीय वर्ष में देश को 33 अरब डॉलर की जरूरत है। इसमें से 10 अरब डॉलर का वित्तीय घाटा और 23 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज शामिल है। अगले पांच महीनों के अंदर आठ अरब डॉलर की अदायगी करनी है। गर्वनर जमील अहमद की मानें तो अगले कुछ महीनों में विदेशी मदद मिलने की उम्मीद है। ऐसे में थोड़ी मदद मिल सकेगी।

वित्त मंत्री कतर रवाना

इन सबके बीच ही देश के वित्त मंत्री इशाक डार कतर के लिए रवाना हो गए हैं। उनका मकसद रणनीतिक बिक्री में खाड़ी देश की दिलचस्पी का अंदाजा लगाना है। फंड जुटाने के लिए सरकारी उद्यमों के शेयर भी बेच दिए गए हैं। पाकिस्तान की अथॉरिटीज को अभी यह फैसला करना है कि सरकारी संस्थानों के लिए क्या कीमत तय की जाएगी। पिछले साल अप्रैल में कतर और यूएई के साथ कई राउंड बातचीत के बाद भी इसमें कोई नतीजा नहीं निकल सका है।

IMF अनुसना कर रहा रिक्वेस्ट

पिछले हफ्ते पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (IMF) को इस्लामाबाद एक टीम भेजने के लिए कहा था। उसका मकसद बेलआउट प्रोग्राम को नए सिरे से शुरू करना था जोकि अभी रुका हुआ है। अभी तक आईएमएफ ने इस पर फैसला नहीं किया है कि उसकी टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं। देश के पूर्व वित्त मंत्री मिफताह इस्माइल ने कहा है कि आईएमएफ प्रोग्राम के बिना देश कंगाल होने की कगार पर पहुंच जाएगा। देश के विशेषज्ञों ने इस बात को लेकर आगाह किया है कि देश बहुत बड़े आर्थिक संकट में घिरता जा रहा है। मंहगाई रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रही है और कंगाल होने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक आते संकट की वजह से घरों, ऑफिसेज और अस्पतालों एक बड़ी तबाही की तरफ बढ़ रहे हैं।

मुझे फर्क नहीं पड़ता कोई कुछ भी बोले, Gehlot को लेकर Pilot के नरम हुए तेवर कर रहे किस ओर इशारे

एनटीवी न्यूज

सचिन पायलट सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र टोंक पहुंचे। यहां कार्यक्रम में शामिल होने से पहले चाकसू में भी एक जनसभा को संबोधित किया। दोनों की कार्यक्रमों में पायलट गहलोत को लेकर किसी भी तरह की बयानबाजी करने से बचते रहे। इतना ही नहीं उन्होंने पार्टी अनुशासन की भी बात की।

टोंक: राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट (Ashok gehlot Vs Sachin Pilot) के बीच शुरू हुई तनातनी का ज्वार एक बार फिर शांत हो गया। बीते सप्ताह पायलट की पांच दिवसीय जनसभा हुई, जिसमें सचिन और उनके समर्थक इशारों में अपनी ही सरकार को घेरते हुए नजर आए। वहीं अशोक गहलोत ने भी इशारों में पायलट को कोरोना बता दिया। इस सियासी छींटाकशी के बीच सोमवार को एक बार फिर सियासी बवाल थमता दिखा। सोमवार को सचिन पायलट चाकसू और इसके बाद टोंक जिले में पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए पायलट ने स्वर बदले-बदले दिखे। टोंक में जब कांग्रेस पार्टी में चल रहे अंतर्कलह के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कोई उनके खिलाफ कुछ भी बोले उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। पायलट ने आगे कहा कि बस केवल पब्लिक की आवाज सुननी चाहिए। इस दौरान मीडिया में पायलट गहलोत के साथ चल रहे विवाद को लेकर बयान देने से बचते नजर आए।

ईआरसीपी प्रोजेक्ट के मुद्दे पर केंद्र को घेरा

इस मौके पर पायलट ने राजस्थान में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा विपक्ष की भूमिका निभाने में पूरी तरह विफल रही है। उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। इस दौरान सचिन पायलट ने मोदी सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ईआरसीपी योजना की घोषणा की है। लेकिन इसे लागू नहीं किया। अब तो इसे लागू करने के लिए केन्द्र को पैसे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राजस्थान के साथ पक्षपात किया है। यहां तक कि उन्होंने यूरिया का कोटा भी पर्याप्त नहीं दिया है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि राजस्थान की जनता भी कांग्रेस पर भरोसा कर चुकी है और अगली बार फिर वापस कांग्रेस की ही सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के बाद कांग्रेस मजबूत बनेगी और राजस्थान में वापस सरकार बनेगी।

इनसाइड

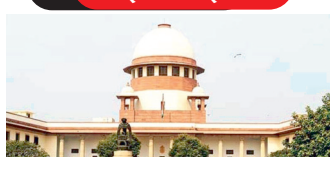

आरोपी को परेशान करने के लिए कानून को न बनाएं हथियार, सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून का इस्तेमाल आरोपियों को परेशान करने के लिए एक हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही अदालतों को हमेशा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छोटे-मोटे (तुच्छ) मामले कानून की पवित्र प्रकृति को विकृत न करें। जस्टिस कृष्ण मुरारी और एसआर भट्ट की पीठ ने मद्रास हाई कोर्ट के पिछले साल अगस्त के फैसले के खिलाफ एक अपील पर अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि कानून निर्दोषों की रक्षा के लिए ढाल की तरह है। उन्हें डराने के लिए तलवार के रूप में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के पिछले साल अगस्त के फैसले के खिलाफ एक अपील पर सुनवाई की। दरअसल, मद्रास हाई कोर्ट ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 के प्रावधान के कथित उल्लंघन के संबंध में एक आपराधिक शिकायत को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी।

क्यों पाकिस्तान की तरह अंधेरे में नहीं डूब सकते हम, भारत के ग्रिड सिस्टम की ताकत समझिए

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली: पाकिस्तान दो दिन से भीषण बिजली संकट से जूझ रहा है। कई शहरों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं ठप हैं। बताया जा रहा है कि राजधानी इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, पेशावर और क्वेटा सहित कई बड़े शहरों में अंधेरा है। बलूचिस्तान के 22 जिलों में बिजली गुल है। हालत यह है कि करीब 23 लाख से ज्यादा आबादी वाले कराची शहर में लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा। दरअसल, वहां पानी के पंप बिजली से ही चलते हैं। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में इस तरह का संकट पैदा हुआ है। पिछले साल भी बिजली वितरण प्रणाली में तकनीकी खामी के चलते 12 घंटे बत्ती गुल थी। विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खाली है, महंगाई और आटे की किल्लत के बीच बिजली संकट ने पाकिस्तानियों को गुस्से से भर दिया है। भारत में भी पाकिस्तान के अंधेरे में डूबने की काफी चर्चा है। टीवी चैनलों पर 'कंगाली फुल, बत्ती गुल', आटे के बाद बिजली का महासंकट जैसी बातें कही जा रही हैं। लेकिन लोगों के मन में एक सवाल ये भी है कि क्या भारत में कभी ऐसा हो सकता है? और क्या पहले कभी इतना बड़ा ब्लैकआउट भारत में हुआ था। क्या भारत में भी पावर ग्रिड फेल हो सकता है? पहले समझिए पाकिस्तान में हुआ क्या है?

पाकिस्तान में क्यों छाया अंधेरा?

पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री खुर्रम दस्तगीर ने मीडिया के जरिए देशवासियों को समझाने की कोशिश की कि आखिर हुआ क्या। उन्होंने बताया कि ईंधन का खर्च बचाने के एक उपाय के रूप में बिजली उत्पादन इकाइयों को सर्दी के मौसम में रात के समय अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाता है। 23 जनवरी की सुबह जब सिस्टम एक-एक करके चालू किए गए, तो देश के दक्षिणी हिस्से में फ्रीक्वेंसी में बदलाव की सूचना मिली। वोल्टेज में उतार-चढ़ाव हुआ और बिजली उत्पादन इकाइयां एक-एक करके बंद हो गईं।

निराशा और हताशा इस कदर हावी है कि पाकिस्तान के ऐंकर ट्विटर पर लिख रहे हैं, 'पाकिस्तान के दुश्मनों को बधाई। उन्हें हमें तबाह करने की जरूरत नहीं है। हम पहले से ही बर्बाद हैं। बिजली नहीं, पानी नहीं, गैस नहीं, ईंधन नहीं, इंटरनेट नहीं, फोन सिग्नल नहीं।'

जब आधा भारत अंधेरे में डूब गया

इसे 2012 India Blackouts के नाम से जाना जाता है। लगातार दो दिनों तक भारत में पावर ब्लैकआउट देखने को मिला था। पहले दिन 30 जुलाई 2012 को 40 करोड़ लोग अंधेरे में डूब गए थे। कुछ समय के लिए यह सबसे बड़ा ब्लैकआउट था। इससे पहले जनवरी 2001 में उत्तर भारत में हुए ब्लैकआउट में 23 करोड़ लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि 31 जुलाई 2012 को इतिहास का सबसे बड़ा पावर आउटेज देखा गया। दुनिया की करीब 9 फीसदी आबादी और 62 करोड़ लोगों के घरों में अंधेरा छा गया था। उस समय आधे भारत की बत्ती गुल हो गई थी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब से लेकर, दिल्ली, यूपी, बिहार, ओडिशा और पूर्वोत्तर भारत के कुल 22 राज्यों में अंधेरा छा गया था। बताया गया था कि 32 गीगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता ठप पड़ गई थी। हालांकि 32 करोड़ आबादी को ज्यादा दिक्कत नहीं हुई थी क्योंकि उनके पास बिजली का इंतजाम था। 1 अगस्त 2012 को बिजली बहाल हो गई।

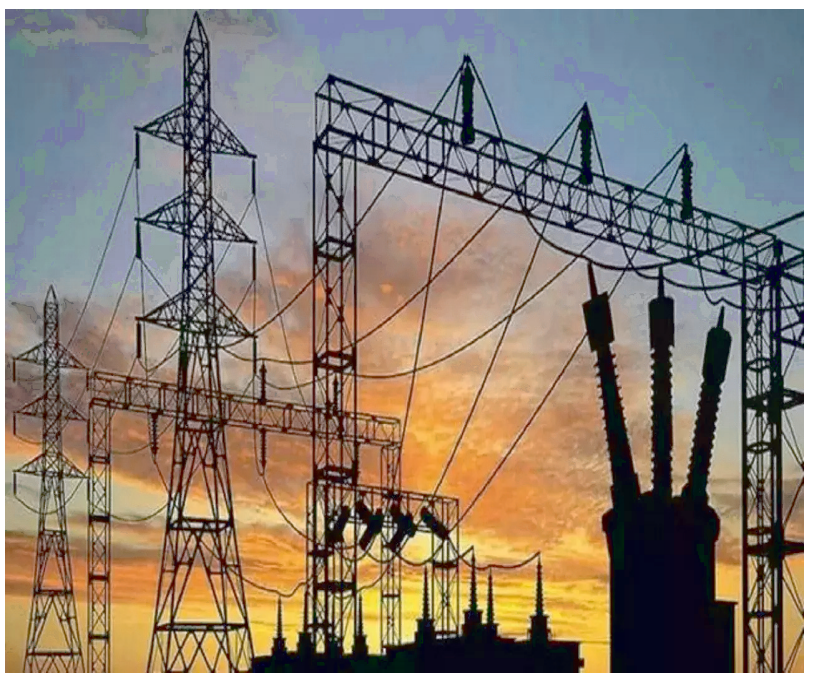

अमेरिका और चीन के बाद भारत सबसे बड़ा बिजली का कंज्यूमर है। हालांकि उस समय तक इलेक्ट्रिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर उतना मजबूत नहीं था। उत्तरी इलेक्ट्रिकल ग्रिड 2001 में भी ठप हो गया था। 2012 में पावर ग्रिड फेल होने के बाद कई एक्सपर्ट ने कहा था कि डिमांड और सप्लाई में बड़ा गैप होने से पावर ग्रिड कोलैप्स हुआ। बिजली क्षेत्र और इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने की जरूरत है जिससे बढ़ती अर्थव्यवस्था की नई चुनौतियों का सामना किया जा सके। दरअसल, बिजली की आपूर्ति 49-50 हर्ट्ज की फ्रिक्वेंसी पर होता है और इसके कम या ज्यादा होने पर पावर ग्रिड फेल होने का खतरा पैदा हो जाता है।

कितना मजबूत है भारत का पावर ग्रिड

तो क्या भारत में भी पावर ग्रिड फेल हो सकता है? कई महीने पहले पता चला था कि चीन ने कई बार भारतीय ग्रिड को हैक करने की कोशिश की थी। तब ऐसा डर पैदा हुआ कि क्या चीन के हैकर्स भारत को अंधेरे में डाल सकते हैं? दरअसल, बिजली तैयार होने से लेकर हमारे घरों तक पहुंचने में यह तीन चरणों से गुजरती है। पावर जनरेशन यानी बिजली बनती है, उसके बाद पावर ट्रांसमिशन होता है फिर उसका वितरण होता है। बिजली पैदा होने से लेकर हमारे घर की बत्ती जलने में जिस नेटवर्क का इस्तेमाल होता है उसे ही पावर ग्रिड कहते हैं। देश में इस समय पांच पावर ग्रिड हैं। ये अपने-अपने क्षेत्र के राज्यों में बिजली की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करते हैं। दिलचस्प यह है कि जरूरत के हिसाब से एक ग्रिड से दूसरे क्षेत्र में भी बिजली पहुंचाई जा सकती है। चीन ने कोशिश करके देख लिया लेकिन उसकी एक नहीं चली। आज भारत में मजबूत पावर ग्रिड सिस्टम है। 24 घंटे बिजली की फ्रिक्वेंसी पर नजर रखी जाती है। पांचों ग्रिड पर 24x7 निगरानी के लिए लोड डिस्पैच सेंटर बनाए गए हैं। अचानक अप्रिय घटना को छोड़कर भारत में ग्रिड फेल होने की संभावना नहीं है। 'कंगाल' हो रहे पाकिस्तान के हालात को छोड़िए, भारत में बिजली का व्यवस्थित तंत्र है।

क्या कांग्रेस 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत की पिच तैयार करने लगी है?

एनटीवी संवाददाता

कांग्रेस पार्टी ने भारत जोड़ो यात्रा के जरिए 2024 लोकसभा चुनावों के लिए अपनी जमीन तैयार करने की पुरजोर कोशिश की है। हालांकि, इस मकसद में देश की सबसे पुरानी पार्टी कितनी सफल हो पाएगी, इसका ठीक-ठीक अंदाजा तो नहीं लगाया जा सकता है। हालांकि, यात्रा के दौरान और इससे इतर पार्टी और इसके नेताओं की गतिविधियों का आकलन तो जरूर किया जा सकता है।

नई दिल्ली: आखिरकार राहुल गांधी इस बार भांप गए। यूं तो वो खुद भी बीजेपी के लिए पिच तैयार करते रहते हैं, लेकिन बालाकोट एयर स्ट्राइक पर सवाल उठाने वाले दिग्विजय सिंह को उन्होंने तुरंत किनारे लगा दिया। राहुल ने बड़ी साफगोई से कहा कि कांग्रेस पार्टी और दिग्विजय सिंह की सोच में दूर-दूर तक तालमेल नहीं है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि हमारी सेना शानदार काम कर रही है और उसे कभी किसी ऑपरेशन का सबूत देने की जरूरत नहीं है। लेकिन सवाल है कि क्या दिग्विजय सिंह ने पहली बार सीमा लांघी है या वो आदतन अतिक्रमणकारी हैं? फिर यह सवाल सिर्फ दिग्विजय सिंह से ही क्यों, कई अन्य नेताओं के साथ खुद राहुल गांधी भी क्या बीजेपी को संजीवनी देने में पीछे रहते हैं? क्या इन कांग्रेसियों को पता नहीं है कि 2014 के लोकसभा चुनाव में ही अति संवेदनशील मतदाताओं का एक वर्ग तैयार हो गया जो हिंदुत्व और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों पर उलट बयानबाजियों से सुरसा की तरह दोगुना आकार ले लेता है। सुरसा की कहानी रामायण से जान लीजिएगा या फिर गूगल सर्च कर लीजिएगा।

दिग्विजय सिंह ने फिर वही किया

खैर, बात हो रही है 2024 लोकसभा चुनाव और उससे पहले नौ राज्यों के विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी का एजेंडा साधते कांग्रेसी नेताओं की। ताजातरीन मामले से ही शुरू करते हैं। हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के मुखर विरोधी दिग्विजय सिंह ने ऐसा मुद्दा छेड़ दिया है जो कथित टुकड़े-टुकड़े गैंग और उसके समर्थकों के सिवा शायद ही कोई भारतीय पसंद करे। इसे दूसरी तरह से कह सकते हैं कि मुट्ठीभर एजेंडावादियों को छोड़कर शायद ही किसी को दिग्विजय सिंह के बयान से घिन्न नहीं आई हो। वेस्टर्न कमांड के चीफ रहे एयर मार्शल (रिटायर्ड) रघुनाथ नांबियार ने तो दिग्विजय सिंह को परोक्ष रूप से झूठा कह दिया। उन्होंने देशवासियों को आगाह किया कि वो इन झूठे प्रचार का शिकार नहीं हों। दिग्विजय सिंह ने जम्मू-कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा के मंच से कहा था कि बालाकोट एयर स्ट्राइक में कई पाकिस्तानियों के मारे जाने का दावा किया जाता है, लेकिन आज तक एक भी सबूत नहीं दिया गया।

कांग्रेस में दिग्विजय सिंह, मणिशंकर अय्यर, सैम पित्रोदा, सलमान खुर्शीद जैसे नेताओं की लंबी फेहरिश्त है जिनके बारे में आम धारणा बन गई है कि ये सभी बीजेपी के लिए बीजेपी नेताओं से भी ज्यादा मेहनत करते हैं। बीजेपी तो यहां तक दावे करती है कि राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह जब-जब चुनाव प्रचार करते हैं, बीजेपी का वोट बढ़ जाता है। बीजेपी के इस दावे पर किसी को कुछ हद तक तो कांग्रेस को भी भरोसा हो गया है, वरना हिमाचल प्रदेश और गुजरात के विधानसभा चुनावों से दोनों नेता गायब क्यों हो जाते? अब ये कहना कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में थे, राजनीति की समझ रखने वाला भला कौन इस पर यकीन करेगा? तो सवाल है कि क्या लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी की तरफ से वही गलतियां होने लगी हैं जिनसे बीजेपी के दावों को मजबूती मिलती है?

बीजेपी की चाहत और कांग्रेस की कमजोरी

इसका जवाब ढूंढने से पहले यह जानते हैं कि आखिर बीजेपी अपने धुर विरोधी कांग्रेस के लिए कौन-कौन से दावे करती है? मोदी-शाह के मार्गदर्शन में बदली हुई बीजेपी हिंदुत्व, राष्ट्रवाद समेत उन मुद्दों पर खुलकर खेलने लगी है जिस पर अटल-आडवाणी की बीजेपी पर्दे के पीछे से पासे फेंका करती थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तो खेल के नियम ही बदल डाले। मुस्लिम तुष्टीकरण से लेकर माफियागिरी और हिंदू विरोधी से लेकर राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ खुलकर ऐक्शन लिए जाने लगे जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नहीं की जा सकती थी। बीजेपी के केंद्रीय एवं प्रादेशिक नेता इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि उन्हें इस पर भारी जनसमर्थन मिल रहा है। 2014 में राष्ट्रवाद की लहर ने बीजेपी को 10 साल बाद केंद्र की सत्ता दिला दी और 2019 के अगले आम चुनाव में और भी बड़ी जीत दिलवा दी। राज्यों में भी बीजेपी का विस्तार और विरोधियों का सिकुड़ता जनाधार इस बात की गवाही हैं।

खुद को ही धता बताते राहुल गांधी!

तो बदली हुई सियासत के लिए कांग्रेस कितना तैयार है? इस सवाल के अब तक कई बार जवाब मिल चुके हैं। लेकिन यह सवाल ऐसा है कि जब-जब चुनाव आएगा, इसकी प्रासंगिकता पैदा हो जाएगी। निर्वाचन आयोग ने त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड के तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों के तारीखों की घोषणा कर दी है। वहीं, कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और मिजोरम में भी इसी वर्ष चुनाव होने हैं। कहा जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर में भी इस वर्ष विधानसभा चुनाव हो सकता है। फिर अगले वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होंगे। इसके लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली। जैसा कि नाम से ही जाहिर है- कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी का दावा करते हैं कि बीजेपी शासन में नफरत का बोलबाला है जिससे देश के विभिन्न वर्गों में दूरियां बढ़ गई हैं, इसलिए उन्हें जोड़ने की जरूरत है। लेकिन वही राहुला गांधी जब यात्रा में दिल्ली पहुंचते हैं तो कहते हैं कि उन्हें देशभर में कहीं नफरत नहीं दिखी। सोचिए, राहुल गांधी के दावे को खुद राहुल गांधी ही धता बता रहे हैं। बीजेपी भी तो यह कह रही है कि कहीं नफरत नहीं है। अलबत्ता कांग्रेस अपना राजनीतिक हित साधने के लिए नफरत-नफरत का राग अलापकर देश का सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने से भी नहीं हिचकती है।

भारत जोड़ो या कांग्रेस जोड़ो यात्रा?

यूं तो भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी को एक गंभीर नेता के रूप में पेश करने और कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में जोश भरकर पार्टी को ताकतवर बनाना है। लेकिन यात्रा के दौरान इन दोनों ही मकसदों के उलट भी कई बातें हुईं। राहुल गांधी ने दाढ़ी बढ़ाकर अपने गंभीर व्यक्तित्व की दावेदारी तो पेश की, लेकिन आबादी को रुपये में बताकर और ठंड को डर से जोड़कर इस दावेदारी को खुद ही हल्का कर दिया। गुजरात में कांग्रेस के स्थानीय नेता ने राहुल गांधी के भाषण का अनुवाद करने से इनकार कर दिया और मंच छोड़कर चले गए। ऐसी घटनाओं से राहुल गांधी की छवि निर्माण की कोशिशों को झटका लगा तो निश्चित तौर पर सबसे ज्यादा बीजेपी ही मुस्करा रही होगी। इसी तरह, बीजेपी भारत जोड़ो यात्रा पर यह कहते हुए तंज कसती रही कि राहुल गांधी को कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए। भारत जोड़ो यात्रा चल ही रही थी कि हिमाचल प्रदेश में चुनाव से पहले 26 नेताओं ने कांग्रेस छोड़ दी। हाल ही में भारत जोड़ो यात्रा पंजाब से निकली ही थी कि वहां के बड़े नेता और पूर्व वित्त मंत्री मणप्रीत बादल ने कांग्रेस छोड़ दी।

किन-किन से मिले राहुल? सवाल तो उठेंगे

अब बात कांग्रेस को ताकतवर बनाने की। कहना न होगा कि पार्टी की ताकत उसे मिलते जनसमर्थन से ही आंका जाता है। कांग्रेस पार्टी की नीतियां मतदाताओं को किस हद तक आकर्षित कर पाती है, इसी से तय होगा कि चुनावों में देश की इस सबसे पुरानी पार्टी को कितनी सफलता मिलेगी। जनता का मिजाज समझने में राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और इसके नेता कितने कामयाब हैं, इसका अंदाजा उनकी गतिविधियों और उनके बयानों से लगाया जा सकता है। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उस रिजिल मकुट्टी से मिले जिस पर बछड़े को काटकर सामूहिक भोज करने का आरोप लगा था, उस पादरी जॉर्ज पोन्नैया से मिले जिसने भारत और हिंदुओं के लिए अपशब्द कहे, स्वरा भास्कर समेत तमाम उन लोगों को साथ लाया जिन पर हिंदू विरोध, राष्ट्रवादी भावनाओं का विरोधी और मुस्लिम तुष्टीकरण का चैंपियन होने के आरोप लगते रहते हैं।

एक तरफ हल्ला, दूसरी तरफ चुप्पी

राहुल गांधी खुद हिंदुत्व पर खूब हमलावर रहे। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) पर तो कठोरतम हमले करते रहे, लेकिन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) जैसे राष्ट्रविरोधी संगठन, मुसलमानों में बढ़ते कट्टरता पर एक शब्द नहीं कहा। जब पैगंबर विवाद में आठ निर्दोष हिंदुओं की गर्दनें काट ली जाएं, लोगों को गर्दन काटने की खुली धमकियां दी जाएं, अजमेर शरीफ दरगाह समेत कई मुस्लिम धर्मगुरुओं और मुस्लिम नेताओं की तरफ से हिंसा एवं हिंदुओं के बहिष्कार की अपील की जाए, खुलेआम सर तन से जुदा के नारे लगाए जाएं तब इन सब घटनाओं पर चुप्पी ठानकर आरएसएस को नफरत की दुकान होने के दावे किए जाएं तो किसे भरोसा होगा कि राहुल गांधी सच में सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द चाहते हैं, सिर्फ राजनीतिक एजेंडा साधना उनका मकसद नहीं!